आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 73 | उज्जैन, सोमवार 03 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

नशामुक्ति की दिशा में मोहन सरकार ने बढ़ाया प्रभावी कदम

प्रमुख तीर्थ नगरों से होगी शुरूआत

भोपाल। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती पर मध्यप्रदेश की मोहन सरकार ने खरगोन जिले में अहिल्याबाई की नगरी महेश्वर में कैबिनेट कर ऐसा ऐतिहासिक निर्णय लिया, जिसे पूरे प्रदेश में सराहा गया। निर्णय था, प्रदेश के 19 धार्मिक नगरों एवं ग्रामपंचायतों में शराबबंदी का। इसी दिन मोहन सरकार ने यह भी निर्णय लिया कि पुण्य सलिला माँ नर्मदा के तट के दोनों किनारे 5 किलोमीटर की परिधि में शराबबंदी पूर्ववत लागू रहेगी। यह दिन इस लिये भी मध्यप्रदेश के इतिहास में स्मरणीय बनेगा, क्योंकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट ने महिलाओं के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास के उद्देश्य से देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन को भी स्वीकृत कर लागू किये जाने का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नशामुक्ति की दिशा में उठाया गया। यह कदम जन-आस्था और धार्मिक दृष्टि से श्रृद्धा के 19 नगरीय क्षेत्र एवं ग्राम पंचायतों में प्रभावशाली होगा। मंत्रि-परिषद ने जिन धार्मिक स्थान पर शराब बंदी का निर्णय लिया उसमें एक नगर निगम, 6 नगर पालिका, 6 नगर परिषद और 6 ग्राम पंचायतें हैं। जिन प्रमुख पवित्र नगरों में शराबबंदी लागू की जा रही है उनमें बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन, प्रदेश की जीवन रेखा मानी जाने वाली नर्मदा नदी का उद्गम अमरकंटक, महेश्वर, ओरछा रामराजा मंदिर क्षेत्र, ओंकारेश्वर, मंडला में सतधारा क्षेत्र, मुलताई में ताप्ती उद्गम क्षेत्र, पीतांबरा देवीपीठ दतिया, जबलपुर भेड़ाघाट क्षेत्र, चित्रकूट, मैहर, सलकनपुर, सांची, मंडलेश्वर, वान्द्रावान, खजुराहो, नलखेड़ा, पशुपतिनाथ मंदिर क्षेत्र मंदसौर, बरमान घाट और पन्ना शामिल हैं। नये वित्तीय वर्ष से इन सभी क्षेत्र में शराब की दुकानें नहीं रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाने के लिये विकास के साथ विरासत का मंत्र दिया है। हमारी सरकार 13 दिसम्बर 2023 को कार्यभार संभालने के पहले दिन से ही इस सूत्र पर काम कर रही है। विरासत की रक्षा के लिये जितना महत्वपूर्ण भवनों, ऐतिहासिक स्थलों और साँस्कृतिक प्रसंगों को सहेजना होता है उतना ही महत्वपूर्ण समाज जीवन की विशिष्टताओं को सहेजना है जिससे आने वाली पीढ़ियाँ संस्कारवान बन सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थ केवल धार्मिक क्षेत्र ही नहीं होते, उन्हें समाज निर्माण का केन्द्र माना गया है।

मिसाइल के क्षेत्र में बढ़ी भारत की ताकत, कम ऊंचाई वाले हवाई हमले होंगे ध्वस्त; तीन सफल परीक्षण पूरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने स्वेदशी पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम बनाने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने शनिवार को ओडिशा के चांदीपुर में वीएसएचओआरडीएस मिसाइल सिस्टम का सफल परीक्षण किया।

यह मिसाइल प्रणाली कम ऊंचाई पर उड़ने वाले दुश्मन के किसी भी ड्रोन या अन्य लक्ष्य को सटीक तरीके से नष्ट कर सकता है। यह मिसाइल प्रणाली भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित की गई है। यह देश में एयर डिफेंस सिस्टम को और मजबूत बनाएगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी बधाई- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए डीआरडीओ तथा सशस्त्र बल को बधाई दी है। सभी तीन परीक्षणों में मिसाइल ने कम ऊंचाई पर तेज गति से उड़ने वाले लक्ष्यों को भेदकर पूरी तरह नष्ट कर दिया। इन लक्ष्यों को कम ऊष्मीय संकेतक के साथ उड़ने वाले ड्रोन के रूप में तैयार किया गया था, ताकि अलग-अलग उड़ान परिस्थितियों में परीक्षण किया जा सके।

120 नए स्थानों को जोड़ने के लिए शुरू होगी उड़ान योजना, वित्तमंत्री सीतारमण ने बजट में की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नागरिक उड्डयन बाजार की विकास क्षमता का दोहन करने के लिए सरकार ने शनिवार को केंद्रीय बजट में 120 नए स्थानों को जोड़ने के लिए संशोधित क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना उड़ान, बिहार में हवाई अड्डा परियोजनाओं और हवाई माल ढुलाई के लिए बुनियादी ढांचे के अपग्रेडेशन की घोषणा की।

बजट 2025-26 में हालांकि नागरिक उड्डयन मंत्रालय के लिए आवंटन में लगभग 10 प्रतिशत की कटौती करके 2,400 करोड़ रुपये कर दिया गया है। उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना के लिए धनराशि को भी 32 प्रतिशत घटाकर 540 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कही ये बात- अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि उड़ान ने मध्य वर्ग के 1.5 करोड़ लोगों को तेज यात्रा की उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम बनाया है।

समुद्रयान मिशन के लिए बजट में 600 करोड़ रुपये का आवंटन, समुद्र की गहराइयों में जाएंगे वैज्ञानिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024 में भारत के समुद्रयान मिशन के लिए 600 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। ये मिशन समुद्र की गहराइयों में सबमर्सिबल के जरिए वैज्ञानिकों को भेजकर अध्ययन करने से जुड़ा है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय को बजट में 3649.81 करोड़ रुपये का धन आवंटित किया गया है। यह पिछले बजट से ज्यादा है। पिछले बजट में मंत्रालय को 3064.80 करोड़ रुपये दिए गए थे। समुद्रयान मिशन पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत ही आता है।

6000 मीटर की गहराई में होगा शोध- इस मिशन में समुद्र की गहराइयों की मैपिंग करना, 6000 मीटर की गहराई में जाने में सक्षम मानव युक्त समर्सिबल के लिए टैक्नोलॉजी डेवलप करना, गहरे समुद्र में जैव संसाधनों के लिए खनन और थर्मल एनर्जी से चलने वाले प्लांट के लिए इंजीनियरिंग डिजाइन तैयार करना शामिल है। वित्त मंत्री ने मौसम पूर्वानुमान क्षमता के लिए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की पहल मिशन मौसम के लिए 1,329 करोड़ रुपये भी अलॉट किए।

मानवयुक्त पनडुब्बी भेजी जाएगी- भारत इस वर्ष के अंत में चेन्नई स्थित राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) द्वारा विकसित एक मानवयुक्त पनडुब्बी को समुद्र में 500 मीटर की गहराई तक भेजने की योजना बना रहा है, जिसे अगले वर्ष तक 6,000 मीटर की गहराई तकभेजकर समुद्र तल का पता लगाया जाएगा।

डीप ओशन मिशन का उद्देश्य गहरे महासागरीय संसाधनों का पता लगाना और उनके स्थायी उपयोग के लिए टेक्नोलॉजी का विकास करना है।

स्पेस सेक्टर में लगेगी नई उड़ान, अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए बजट में 372 करोड़ की वृद्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरिक्ष विभाग के लिए बजट में इस बार 372 करोड़ रुपये की वृद्धि की है। इस बार के बजट में अंतरिक्ष विभाग के लिए 13,415.20 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की गई, जबकि पिछली बार 13,042.75 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे।

नवीनतम बजट में अंतरिक्ष अनुसंधान पर पूंजीगत व्यय के लिए 6,103 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। इस कदम से उपग्रह प्रक्षेपण और अंतरिक्ष मिशन सहित विभिन्न महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

इसरो कई अंतरिक्ष मिशन की तैयारी में- यह बढ़ा हुआ बजट ऐसे समय में आया है जब भारत भावी प्रमुख अंतरिक्ष प्रक्षेपणों की प्रतीक्षा कर रहा है। इसमें गगनयान (भारत का मानव अंतरिक्ष यान मिशन), चंद्र मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना और चंद्रयान-4 शामिल हैं।

इस बढ़े हुए निवेश से अंतरिक्ष-आधारित अनुप्रयोगों को कृषि, आपदा प्रबंधन और शहरी नियोजन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकीकृत करने की उम्मीद है। यह पिछले बजटों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है और भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं को बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है।

अंतरिक्ष बजट में फंडिंग होंगे कई लाभ- केंद्रीय बजट 2024-25 में अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए 13,042.75 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे।

गुजरात में खुदाई के दौरान मिला डायनासोर का अंडा लाया गया महाकुंभ

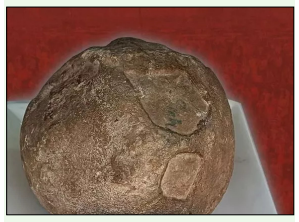

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ष 2015 में हॉलीवुड की एक फिल्म जुरासिक वर्ल्ड आई थी। डायनासोर पर आधारित इस फिल्म ने करोड़ों दर्शकों को रोमांच और आश्चर्य से भर दिया था। इसके बाद डायनासोर को लेकर खूब चर्चा हुई। तब से एक सवाल हर कोई एक दूसरे से पूछ ही लेता है कि क्या आपने कभी डायनासोर का ÷अंडा÷ देखा है...?

यह कितना बड़ा होता है, कैसा दिखता है, वजन क्या है..? ढेर सारे सवाल अब तक आपके मन में कौंध उठे होंगे।

अगर नेहरू के समय आप 12 लाख कमाते तो... दिल्ली चुनाव में पीएम मोदी ने कांग्रेस पर किया अटैक

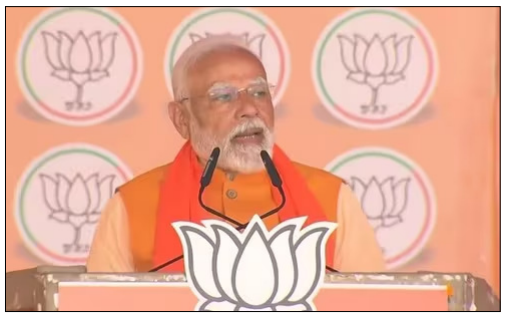

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट के बाद रविवार को कांग्रेस पर टैक्स को लेकर हमला बोला। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी का हवाला देते हुए दावा किया कि उनकी सरकारों ने लोगों की कमाई पर भारी टैक्स लगाया, जबकि मोदी सरकार ने टैक्स का बोझ कम किया और मध्यम वर्ग को अधिक राहत प्रदान की। दिल्ली चुनाव के लिए आरके पुरम में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, %%अगर नेहरू जी के जमाने में आप 12 लाख रुपये कमाते तो 12 लाख रुपये की आय पर आपकी एक चौथाई सैलरी सरकार वापस ले लेती। अगर आज इंदिरा जी का जमाना होता तो 12 लाख रुपये तक की आय पर आपके 10 लाख रुपये टैक्स में चले जाते। 10-12 साल पहले तक, कांग्रेस की सरकार में अगर आप 12 लाख रुपये कमाते तो आपको 2 लाख 60 हजार रुपया टैक्स देना होता। भाजपा सरकार के कल के बजट के बाद, साल में 12 लाख कमाने वाले को एक रुपया भी टैक्स नहीं देना पड़ेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि देश के विकास में हमारे मिडिल क्लास का बहुत बड़ा योगदान है। यह बीजेपी ही है, जो मिडिल क्लास को सम्मान देती है, ईमानदार टैक्सपेयर्स को पुरस्कार देती है। बजट का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मैंने विकसित भारत के निर्माण के लिए चार स्तंभों को मजबूत करने की गारंटी देश को दी थी। ये स्तंभ हैं- गरीब, किसान, नौजवान और नारीशक्ति। कल जो बजट आया है, वो मोदी की ऐसी ही गारंटियों को पूरा करने की गारंटी है।

केंद्रीय बजट 2025 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को घोषणा की कि सालाना 12 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों को आयकर नहीं देना होगा। उन्होंने कहा कि यह मध्यम वर्ग की मदद के लिए उठाया गया कदम है। 75,000 रुपये की मानक कटौती के साथ, कर-मुक्त आय सीमा प्रभावी रूप से 12.75 लाख रुपये होगी। उन्होंने कहा, ÷मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि नई व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई आयकर नहीं लगेगा।

वहीं, बजट के बाद पीटीआई को दिए गए एक इंटरव्यू में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टैक्स में कटौती के विचार के पूरी तरह से समर्थन में थे, लेकिन नौकरशाहों को समझाने में समय लगा। निर्मला सीतारमण ने कहा, पीएम बहुत स्पष्ट थे कि वह कुछ करना चाहते हैं।

टैरिफ पर मचा घमासान, ट्रंप के फैसले को WTO में चीन देगा चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति बनने के बाद से ही डोनाल्ड ट्रंप लगातार कई बड़े फैसले ले रहे हैं। इसी बीच ट्रंप ने मेक्सिको, कनाडा और चीन पर टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है। अमेरिका में मैक्सिको और कनाडा से आने वाले सामानों पर 25 फीसदी और चीन से इंपोर्ट पर 10 फीसदी का टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रंप ने इस फैसले पर एग्जीक्यूटिव ऑर्डर भी साइन कर दिया है।

ट्रंप के इस फैसले पर तीनों देशों ने नाराजगी जाहिर की है। चीन ने अमेरिका के इस फैसले का जवाब देने का फैसला कर लिया है। इस फैसले के खिलाफ चीन, वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन में मुकदमा दायर करेगा।

चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह सब अमेरिका की समस्या है, हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं है। चीन के बयानों से इतना साफ है कि जल्द ही वह भी अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क लगाने का ऐलान कर सकता है।

अमेरिका का यह एकतरफा फैसला है - चीन ने कहा है कि अमेरिका की एकतरफा टैरिफ बढ़ोतरी विश्व व्यापार संगठन के नियमों का गंभीर उल्लंघन है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह कदम घरेलू स्तर पर अमेरिका की समस्याओं का समाधान नहीं कर सकता है और इससे किसी भी पक्ष को लाभ नहीं होगा।

एक बयान में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, अमेरिका ने फेंटेनाइल मुद्दे के बहाने चीनी आयात पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। चीन इस कदम की कड़ी निंदा और विरोध करता है और अपने वैध अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक जवाबी कदम उठाएगा।

ट्रंप के फैसले पर ट्रूडो हुए आग बबूला- कनाडा ने भी अमेरिका के टैरिफ के खिलाफ कड़ा एक्शन लेने का फैसला कर लिया है। ट्रंप के फैसले से कनाडा के कार्यवाहक प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने नाराजगी जाहिर की है। जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि हम ये नहीं चाहते थे लेकिन उनका देश अमेरिकी टैरिफ का सामना करने के लिए तैयार है।

जस्टिन ट्रूडो ने एलान किया है कि उनका देश 155 अरब डॉलर के अमेरिकी आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। ट्रूडो ने कहा, यह टैरिफ कुछ साल पहले हुए मुक्त व्यापार समझौते का उल्लंघन हैं। इसके अमेरिकी लोगों पर गंभीर परिणाम होंगे।

मेक्सिको ने क्या कहा- वही, मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम पार्डो ने कहा कि मेक्सिको , अमेरिका से टकराव नहीं चाहता है। हम पड़ोसी देशों के बीच सहयोग से शुरुआत करते हैं। मेक्सिको चाहता है कि फेंटेनाइल ड्रग अमेरिका तो क्या किसी देश में न पहुंचे। मेक्सिको के राष्ट्रपति ने कहा कि टैरिफ लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा।

क्या डॉलर का घटेगा दबदबा, ब्रिक्स ने कैसे बढ़ाई ट्रंप की टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत और चीन समेत तमाम देशों को लगातार निशाना बना रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत समेत सभी ब्रिक्स देशों का चेतावनी दी है कि अगर अमेरिकी डॉलर की जगह किसी वैकल्पिक करेंसी में लेन-देन करने की कोशिश की तो उन पर 100 प्रतिशत का टैक्स लगेगा। ऐसा करने वाले अमेरिकी बाजार से बाहर हो जाएंगे।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोशल मीडिया पर लिखा था, अगर ब्रिक्स देशों ने डॉलर की जगह कोई वैकल्पिक करेंसी बनाने की कोशिश की तो उन्हें 100 फीसदी तक टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा करने वाले अमेरिकी बाजार से भी बाहर हो जाएंगे। फिर वे किसी दूसरे बेवकूफ देश को ढूंढ सकते हैं। अब मैं यह बर्दाश्त नहीं करूंगा कि कोई देश डॉलर को कमजोर करने की कोशिश करे। इसलिए जरूरी है कि ऐसे देश वादा करें कि न वे ब्रिक्स करेंसी बनाएंगे और न अन्य करेंसी को डॉलर की जगह लेन-देन में इस्तेमाल करेंगे। अगर ऐसा होता है तो अमेरिका को अलविदा कहना होगा।

बता दें कि इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिसंबर 2024 में भी डॉलर की जगह किसी दूसरी करेंसी का विकल्प चुनने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी थी।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत अमेरिकी डॉलर को बदलने का समर्थन नहीं करता। न ही इसके पक्ष में है। भारत केवल अपने व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए वैकल्पिक उपाय तलाश रहा है।

ब्रिक्स यानी ब्राजील, रूस, इंडिया, चीन और साउथ अफ्रीका। हालांकि, अब इस समूह में मिस इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और यूएई भी शामिल हो गए हैं। साल 2024 में हुए ब्रिक्स सम्मेलन में 13 अन्य देश भी इसमें अस्थायी सदस्य बन गए हैं।

ब्रिक्स देश क्या चाहते हैं- ब्रिक्स देश डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं। साल 2023 की बात है। ब्रिक्स सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि अब हमको राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाना चाहिए। साल 2024 में भी इसका समर्थन किया था।

फेड रिजर्व की रिपोर्ट की मानें तो अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय व्यापार में 96 प्रतिशत, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 74 प्रतिशत और बाकी दुनिया में 79 प्रतिशत डॉलर का इस्तेमाल होता है। दुनिया का कुल 88 प्रतिशत व्यापार डॉलर में हो रहा है।

बेंजामिन नेतन्याहू ने रिटायर्ड अधिकारी को बनाया सेना प्रमुख, गाजा से है पुराना नाता

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सेना की कमान एक रिटायर्ड मेजर जनरल को सौंप दी है। नेतन्याहू ने सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हेरजी हालेवी के इस्तीफे के बाद अब रिटायर्ड मेजरल जनरल एयाल जमीर को नया सेना प्रमुख नियुक्त किया है। बता दें कि पिछले महीने हालेवी ने 7 अक्टूबर के हमास के हमले को ना रोक पाने की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया था। हमास और इजरायल के बीच सीजफायर की डील होने के दो दिन बाद ही उन्होंने पद छोड़ने का ऐलान कर दिया।

शनिवार को नेतन्याहू के कार्यालय की तरफ से ऐलान किया गया कि मेजर जनरल एयाल जमीर के नाम पर रक्षा मंत्री कात्ज और पीएम नेतन्याहू में सहमति बन गई है। 59 साल के जमीर साल 2023 से ही रक्षा मंत्रालय के डायरेक्टर के रूप में काम कर रहे थे। उनकी जगह हालेवी को सेना प्रमुख बनाया गया था। इसके बाद उन्होंने सेवा से रिटायरमेंट ले ली थी। 2021 तक वह सेना में दूसरे नंबर के पद पर थे। उससे भी पहले वह सदर्न कमांड के हेड थे जो कि गाजा के मामलों को देखता था।ऐसे में कहा जा सकता है कि उनका गाजा से पुराना नाता है।

केन मार्टिन कौन हैं? जिन्हें बनाया गया डेमोक्रेटिक पार्टी का नया अध्यक्ष; ट्रंप को देंगे चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के हाथों नवंबर में पार्टी की चुनावी हार के बाद इसे मजबूती देने के लिए डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी ने शनिवार को केन मार्टिन को अपना नया अध्यक्ष चुना। मार्टिन ने डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी में दक्षिण कैरोलिना के जैमे हैरिसन का स्थान लिया है।

मार्टिन ने ट्रंप और उनके रिपब्लिकन सहयोगियों को चेतावनी दी है कि वे आ रहे हैं। यह नई डेमोक्रेटिक पार्टी है। मार्टिन ने बदलावों का वादा किया। उन्होंने कहा कि वह तब तक विशिष्ट कार्यों पर चर्चा नहीं कर सकते जब तक कि पार्टी यह निर्धारित करने के लिए चुनाव के बाद की समीक्षा नहीं करती कि नवंबर में क्या गलत हुआ।

प्रोसेस में लग सकता कितना समय- यह स्पष्ट नहीं है कि इस प्रक्रिया में कितना समय लग सकता है। मार्टिन ने कहा कि इसे यथाशीघ्र पूरा किया जाएगा और फिर सार्वजनिक रूप से जारी किया जाएगा।

कहां हुआ पार्टी का चुनाव- पार्टी नेतृत्व का चुनाव वाशिंगटन में हुआ, जहां हर राज्य और अमेरिकी क्षेत्र से 400 से अधिक डीएनसी सदस्य शीतकालीन बैठक में एकत्र हुए।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में खूनी झड़प, 41 मौतों के बाद घटनास्थल पर पहुंचे सेना प्रमुख मुनीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में आतंकवादियों और सेना के बीच बड़ी मुठभेड़ हुई, जिसमें 23 दहशतगर्द और 18 सुरक्षाकर्मी मारे गए। सेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर अशांत प्रांत में झड़पों के बीच बलूचिस्तान के दौरे पर गए। रिपोर्ट के अनुसार, सेना प्रमुख को प्रांत में मौजूदा सुरक्षा स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सीनियर सुरक्षा और खुफिया अधिकारी भी उनके साथ मौजूद रहे। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के अनुसार, सेना प्रमुख ने बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती और राज्यपाल शेख जाफर खान मंडोखाइल से मुलाकात की। उन्होंने मारे गए सैनिकों के अंतिम संस्कार में प्रार्थना की और संयुक्त सैन्य अस्पताल क्वेटा में घायल सैनिकों का हालचाल जानने पहुंचे।

जनरल मुनीर ने कहा, ये तथाकथित उन्मादी कुछ भी कर लें मगर हमारे गौरवशाली राष्ट्र और उसके सशस्त्र बलों से हार जाएंगे। मालूम हो कि बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ की अलग-अलग घटनाएं हुईं। इनमें 23 आतंकवादियों मारे गए, लेकिन 18 सुरक्षाकर्मियों की भी मौत हो गई। पाकिस्तानी सेना ने बताया कि पिछले 24 घंटों में अशांत बलूचिस्तान के विभिन्न इलाकों में ये आतंकवादी मारे गए। शनिवार को हरनई जिले में ऐसे ही एक अभियान में राष्ट्रीय सैनिकों की आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में 11 आतंकवादी मारे गए और कई आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया गया। शुक्रवार रात को प्रांत के कलात जिले के मंगोचर इलाके में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के सड़क पर अवरोधक लगाने के प्रयास को विफल कर दिया।

ये अर्थव्यवस्था को गंभीर खतरा, एलन मस्क के DOGE कमीशन को मिली अमेरिकी ट्रेजरी तक पहुंच, नेताओं ने जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की तरफ से संचालित सरकारी दक्षता विभाग को सामाजिक सुरक्षा और मेडिकेयर ग्राहक भुगतान प्रणालियों सहित संवेदनशील वित्तीय डेटा तक पहुंच मिल गई है।संघीय कर्मचारियों को बर्खास्त करने, कार्यक्रमों में कटौती करने और संघीय नियमों में कटौती करने के तरीके खोजने के लिए नियुक्त ट्रंप प्रशासन टास्क फोर्स, DOGE के कदम का मतलब है कि अन्य चीजों के अलावा महत्वपूर्ण करदाता डेटा तक पहुंचने के लिए इसमें व्यापक छूट हो सकती है।

सबसे पहले समूह की विशाल संघीय भुगतान प्रणाली तक पहुंच की खबर दी। एसोसिएटेड प्रेस से बात करने वाले दो लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बात की क्योंकि वे सार्वजनिक रूप से बोलने के लिए अधिकृत नहीं थे।

ट्रंप के ट्रेजरी सचिव को भेजा पत्र- सीनेट वित्त समिति में सर्वोच्च रैंकिंग वाले डेमोक्रेट, ओरेगॉन के रॉन विडेन ने शुक्रवार को ट्रंप के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट को एक पत्र भेजकर चिंता व्यक्त की कि मस्क से जुड़े अधिकारियों ने अवैध रूप से किसी भी संख्या में भुगतान रोकने के लिए इन भुगतान प्रणालियों तक पहुंचने का इरादा किया होगा।

अब मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग को संवेदनशील करदाता डेटा तक व्यापक छूट मिल गई है।

इसे लेकर सीनेट की वित्तीय समिति के प्रमुख डेमोक्रेट सांसद रॉन विडेन ने इस पर गहरी चिंता जताई है और उन्होंने इस मुद्दे पर वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट को पत्र भी लिखा है।

रूस-यूक्रेन में नहीं थम रही जंग, अब पुतिन के हमले से दहल उठा पोल्टावा शहर; ड्रोन और मिसाइल अटैक में 15 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस ने यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए हैं, रूस ने यूक्रेन पर ड्रोन और मिसाइल से हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि रूस ने शनिवार को यूक्रेन पर ड्रोन और मिसाइलों की बौछार की, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई और देश भर में दर्जनों आवासीय इमारतों के साथ-साथ ऊर्जा बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा।

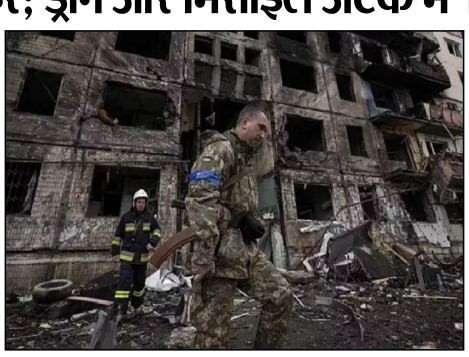

यूक्रेन की आपातकालीन सेवाओं ने कहा कि मध्य शहर पोल्टावा में एक रूसी मिसाइल ने एक आवासीय इमारत पर हमला किया, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और चार बच्चों सहित 16 लोग घायल हो गए। उन्होंने ये भी बताया कि 22 लोगों को मलबे से बचाया गया और आपातकालीन दल रात भर काम करते रहे। बचाव दल ने मृतकों को स्ट्रेचर पर बाहर निकाला।

मलबे से उठा धुंआ का गुबार- टीवी फुटेज में इमारत के बाहर मलबे के ढेर से धुएं के मोटे गुबार उठते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिसका कुछ हिस्सा मेटल और निर्माण सामग्री के मुड़े हुए द्रव्यमान में तब्दील हो गया है।

अग्निशमनकर्मी और दर्जनों बचावकर्मी मलबे में खोज कर रहे थे और मृतकों को स्ट्रेचर पर बाहर ले जा रहे थे।

एक रिटायर्ड सैन्य दिग्गज, जिसे यकीन था कि उसके बेटे, बहू और पोती की मौत इमारत की पहली मंजिल (यू.एस. दूसरी) पर हो गई थी, पूरे दिन इमारत के बाहर इंतजार करता रहा, बचाव टीमों से जांच करता रहा क्योंकि वे स्ट्रेचर पर शव लेकर आ रहे थे।

साढ़े पांच करोड़ से अधिक करदाताओं को सीधा फायदा, नए टैक्स स्ट्रक्चर से होगी 1 लाख करोड़ की बचत- एसबीआई रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को संसद में केंद्रीय बजट पेश किया। इस बजट में कई बड़े एलान किए गए। बजट में सबसे ज्यादा राहत मध्यम वर्ग के परिवारों को देने की कोशिश की गई है। इस बजट में टैक्स रिजीम में भी बदलाव किया गया है।

इस बजट के बाद स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट से पता चलता है कि केंद्रीय बजट 2025-26 में घोषित नए कर ढांचे से लगभग 5.65 करोड़ करदाताओं को लाभ मिलने की उम्मीद है, जो 4 लाख रुपये और उससे अधिक की आय स्लैब में आते हैं।

एक लाख करोड़ रुपये की बचत की संभावना- एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार इन करदाताओं को सामूहिक रूप से लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की कर बचत होगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि 8 लाख रुपये से 12 लाख रुपये सालाना कमाने वाले व्यक्तियों को इन बदलावों से सबसे ज़्यादा फ़ायदा होगा। एसबीआई की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि नए टैक्स ढांचे से लगभग 5.65 करोड़ करदाताओं (4 लाख रुपये से ऊपर के कर स्लैब) को लाभ होगा, जिससे कुल कर बचत लगभग 1 लाख करोड़ रुपये होगी।

मधुमिता हत्याकांड- सुप्रीम कोर्ट ने दोषी की सजा माफी याचिका पर तय की समयसीमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कवयित्री मधुमिता शुक्ला की सनसनीखेज हत्या के मामले में एक दोषी की सजा माफ करने की याचिका पर विचार करने के लिए उत्तराखंड सरकार के लिए समयसीमा तय की है। शीर्ष अदालत ने चेतावनी दी है कि देरी होने पर दोषी की जमानत याचिका पर विचार किया जाएगा।

मधुमिता शुक्ला की नौ मई, 2003 को लखनऊ के पेपर मिल कालोनी में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जब वह गर्भवती थीं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी को कवयित्री की हत्या के सिलसिले में सितंबर 2003 में गिरफ्तार किया गया था, जिनके साथ उनका कथित तौर पर रिश्ता था।

अदालत ने दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई हत्या की साजिश के सिलसिले में अन्य आरोपितों को भी गिरफ्तार किया गया। मामले की जांच सीबीआइ ने की और उत्तराखंड में मुकदमा चलाया गया। अदालत ने दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। जस्टिस अभय एस ओका और उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने पहले माना था कि दोषी रोहित चतुर्वेदी की सजा माफ करने के मामले पर विचार करने के लिए उत्तराखंड सरकार ही उपयुक्त प्रदेश सरकार है।

मलयालम एक्टर के खिलाफ दुष्कर्म मामले में फाइल हुई चार्जशीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पुष्टि की कि उसने सीपीआई (एम) विधायक और अभिनेता एम मुकेश के खिलाफ कथित बलात्कार मामले में आरोप पत्र दायर किया है।

एर्नाकुलम न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट में दायर आरोपपत्र में दावा किया गया है कि मामले में मुकेश के खिलाफ डिजिटल सबूत हैं। मुकेश और शिकायतकर्ता के बीच व्हाट्सएप चैट और ईमेल संदेश सबूत के तौर पर पेश किए गए हैं। एसआईटी ने यह भी कहा कि उसे परिस्थितिजन्य सबूत और गवाहों के बयान मिले हैं।

मुकेश के खिलाफ उत्पीड़न के अलावा यौन उत्पीड़न की धारा भी लगाई गई है। मामला यह है कि मुकेश ने शिकायतकर्ता को मलयालम फिल्म स्टार संगठन एएमएमए में सदस्यता का वादा करके उसका यौन उत्पीड़न किया।

एक्ट्रेस ने लगाया गंभीर आरोप

मुकेश पर अभिनेत्री मीनू मुनीर की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। अलुवा मूल निवासी की शिकायत पर मरदु पुलिस ने मामला दर्ज किया था। मुकेश के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट धारा 376 (बलात्कार) के तहत दर्ज की गई थी, जो एक गैर-जमानती अपराध है, धारा 354 (महिला की शील भंग करने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल), और 509 (किसी महिला की शील का अपमान करना) के तहत दर्ज की गई थी।

कर्नाटक में कांग्रेस के अंदर ही मची खलबली, बीआर पाटिल ने सीएम सिद्धरमैया के राजनीतिक सलाहकार के पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में आंतरिक कलह लगातार बढ़ती नजर आ रही है। इस बीच कांग्रेस विधायक बीआर पाटिल ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के राजनीतिक सलाहकार के पद से इस्तीफा दे दिया है। पाटिल के इस्तीफे के बाद राजनीतिक हलचलें बढ़ती जा रही हैं।

बीआर पाटिल ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि उन्होंने परसों यानी शुक्रवार को ही अपना इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि वे अभी सार्वजनिक रूप से इस्तीफे के कारणों का खुलासा नहीं कर सकते।

सीएम से करूंगा बात- पाटिल

एमएलए बीआर पाटिल ने कहा कि मैंने परसों इस्तीफा दे दिया है। मैंने मुख्यमंत्री को विस्तृत पत्र लिखा है। अगर वे मुझे बुलाएंगे तो मैं उनसे बात करूंगा। उन्होंने कहा कि इसके कई कारण हैं, लेकिन मैं उन्हें सार्वजनिक रूप से नहीं बता सकता। मैंने अभी तक मुख्यमंत्री से बात नहीं की है। मैं अपना इस्तीफा वापस नहीं लूंगा।

जानकारी दें कि बीआर पाटिल एक अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं और कई बार कलबुर्गी जिले के अलंद निर्वाचन क्षेत्र से विधायक चुने गए हैं। उन्होंने 1983 में जनता पार्टी के टिकट पर, 2004 में जेडी(एस) के उम्मीदवार के रूप में, 2013 में कर्नाटक जनता पार्टी के बैनर तले और 2023 में कांग्रेस के टिकट पर जीत हासिल की।

इसके अलावा, उन्होंने 1988 से 1994 तक एमएलसी के रूप में कार्य किया और 1991 से 1994 तक विधान परिषद के उपसभापति का पद संभाला। उनके जाने से एक बार फिर कर्नाटक राज्य में कांग्रेस के भीतर आंतरिक कलह उजागर हुई है।

बीआर पाटिल को नहीं मिला मंत्री पद- बता दें कि साल 2023 में जब कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनी तो शुरुआती अटकलें थीं कि पाटिल को मंत्री पद दिया जाएगा। हालांकि, जब प्रियांक खड़गे और शरण प्रकाश पाटिल को कैबिनेट पद आवंटित किए गए, तो पाटिल को बाहर कर दिया गया और इसके बजाय दिसंबर 2023 में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया।

नक्सल-मुक्त हुआ कर्नाटक... अंतिम नक्सली लक्ष्मी ने किया सरेंडर, बताया क्यों बदला मन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की अंतिम नक्सली लक्ष्मी ने रविवार को उडुपी की डिप्टी कमिश्नर विद्या कुमारी और एसपी अरुण के. की मौजूदगी में बिना शर्त सरेंडर कर दिया। पुलिस के मुताबिक लक्ष्मी पर तीन केस दर्ज हैं और वह आंध्र प्रदेश में छिपी हुई थी।

ये मामले 2007-2008 के हैं और ये पुलिस के साथ गोलीबारी, हमले और गांवों और छोटे शहरों में माओवादी साहित्य पहुंचाने से जुड़े हैं। पुलिस ने बताया कि लक्ष्मी मूल रूप से कुंदापुरा तालुक के माछट्टू गांव के थोम्बट्टू की रहने वाली है।

लक्ष्मी का पति सलीम भी एक पूर्व नक्सली था, जिसने 2020 में आंध्र प्रदेश में सरेंडर कर दिया था। लक्ष्मी ने करीब 15 साल पहले अपने परिवार से संबंध तोड़ दिया था और अंडरग्राउंड हो गई थी। वह चिकमंगलुरु और उडुपी जिले में नक्सली एजेंडे को आगे बढ़ाने में सक्रिय थी।

लक्ष्मी ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को सरेंडर पैकेज के लिए धन्यवाद दिया और जिला प्रशासन से अपील की कि पुलिस थानों में उसके खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों से उसे मुक्त किया जाए।

डीसी विद्या कुमार ने कहा कि लक्ष्मी सरेंडर के लिए ए कैटेगरी की कैंडिडेट है और सरेंडर पैकेज के नियम के अनुसार इस श्रेणी में आने वाले नक्सली 7 लाख रुपये पाने के हकदार हैं। उन्होंने कहा कि ए कैटेगरी कर्नाटक से आने वाले नक्सलियों के लिए निर्धारित है।

डीसी ने कहा, आत्मसमर्पण पैकेज तीन साल तक चरणों में दिए जाएंगे और इसके अलावा, आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की मूल क्षमता के आधार पर शिक्षा, पुनर्वास और रोजगार जैसी सुविधाएं दी जाएंगी।

22 नक्सलियों ने किया समर्पण

राज्य आत्मसमर्पण समिति के श्रीपाल ने उपस्थित पत्रकारों को बताया कि समिति ने सरकार से सिफारिश की है कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के खिलाफ दर्ज मामलों का शीघ्र निपटारा किया जाए, ताकि उन्हें समाज में सामान्य जीवन जीने में मदद मिल सके।

इंतजार खत्म, लोकसभा में इस दिन पेश होगी JPC रिपोर्ट...

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ (संशोधन) विधेयक Waqf (Amendment) Bill, 2024 पर संयुक्त समिति की रिपोर्ट सोमवार (3 फरवरी) को लोकसभा में पेश की जाएगी। कार्य सूची के अनुसार, वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल, भाजपा सांसद संजय जयसवाल के साथ संयुक्त समिति की रिपोर्ट हिंदी और अंग्रेजी संस्करण में पेश करेंगे।

वे संयुक्त समिति के समक्ष दिए गए साक्ष्यों का रिकार्ड भी पटल पर रखेंगे। बता दें कि यह रिपोर्ट 30 जनवरी, 2025 को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को प्रस्तुत की गई।

रिपोर्ट में भाजपा सदस्यों के सुझावों को किया गया शामिल- समिति ने बुधवार (29 जनवरी) को बहुमत से अपनी रिपोर्ट को मंजूरी दी थी, जिसमें भाजपा के सदस्यों की ओर दिए गए सुझावों को शामिल किया गया है। गौरतलब है कि विपक्षी सांसदों ने रिपोर्ट को असंवैधानिक करार दिया है। उनका आरोप है कि यह कदम वक्फ बोर्डों को बर्बाद कर देगा। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट को 11 के मुकाबले 15 मतों से मंजूरी दे दी गई। विपक्षी सदस्यों ने रिपोर्ट पर असहमति नोट प्रस्तुत किए।

बुधवार को समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा, हमने रिपोर्ट और संशोधित संशोधित बिल को अपनाया है। पहली बार हमने एक खंड शामिल किया है जिसमें कहा गया है कि वक्फ का लाभ हाशिए पर रहने वाले, गरीबों, महिलाओं और अनाथों को मिलना चाहिए। हम यह रिपोर्ट अध्यक्ष को प्रस्तुत करेंगे।

वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति ने मसौदा कानून पर रिपोर्ट को 15-11 बहुमत से स्वीकार कर लिया था। जगदंबिका पाल ने बताया कि पिछले पांच से अधिक महीनों में समिति ने कई बैठकें की हैं और देश भर में सैकड़ों प्रतिनिधिमंडलों से मिले हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 माघ शुक्ल पंचमी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

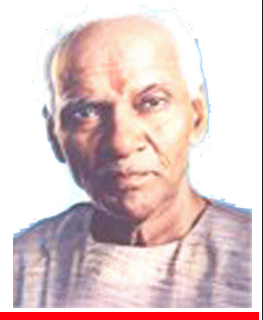

संपादकीय

प्रभावकारिता, जवाबदेही और स्वामित्व की एक मजबूत भावना....

प्रभावकारिता, जवाबदेही और स्वामित्व की एक मजबूत भावना एक उत्पादक और अभिनव कार्यबल की खेती में एक बड़ी भूमिका निभाती है विस्तारित काम के घंटों की वकालत करने वाले प्रमुख भारतीय व्यापार नेताओं द्वारा हाल के बयानों ने उद्योगों और राजनीतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण बहस पैदा कर दी है। इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति ने युवा पीढ़ी के लिए 70 घंटे के वर्कवेक का सुझाव दिया, जबकि लार्सन एंड टुब्रो के चेयरपर्सन के एन सुब्रह्मान्याई ने विचार को और आगे बढ़ाया, जिसमें रविवार सहित 90 घंटे के वर्कवेक का प्रस्ताव था।

जबकि उनका इरादा - प्रतिस्पर्धा और दक्षता को प्रोत्साहित करने के लिए - सराहनीय है, विस्तारित काम के घंटों पर जोर एक महत्वपूर्ण बिंदु को याद करता है- काम किए गए घंटों की संख्या सफलता का प्राथमिक निर्धारक नहीं है। प्रभावकारिता, जवाबदेही, विश्वास और स्वामित्व की भावना एक उत्पादक और प्रतिस्पर्धी कार्यबल बनाने में कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। वैश्विक स्तर पर ÷अधिक घंटे अधिक उत्पादकता के बराबर÷ की गिरावट, डेटा और अनुसंधान ने लगातार दिखाया है कि लंबे समय तक काम के घंटे सीधे उत्पादकता में वृद्धि के साथ सहसंबंधित नहीं होते हैं। संगठन फॉर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट के एक अध्ययन के अनुसार, कम औसत कार्य घंटों वाले देश अक्सर उत्पादकता में उच्चतर रैंक करते हैं।

उदाहरण के लिए, जर्मनी -अपने मजबूत औद्योगिक आधार के लिए जाना जाता है - प्रति सप्ताह 34.6 घंटे काम करता है और दुनिया में उच्चतम उत्पादकता स्तरों में से एक का दावा करता है। इसके विपरीत, मेक्सिको जैसे देश, जहां वर्कवेक 42 घंटे से अधिक तक फैले हुए हैं, उत्पादकता दर में काफी कम रिपोर्ट करते हैं। मानव मस्तिष्क में निरंतर फोकस और रचनात्मक सोच के लिए एक परिमित क्षमता है। लंबे समय तक अक्सर कम रिटर्न, बर्नआउट में वृद्धि और त्रुटियों की उच्च दर होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अध्ययनों ने भी अत्यधिक काम के घंटों के प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों पर प्रकाश डाला है, जिससे उन्हें हृदय रोगों और मानसिक स्वास्थ्य विकारों से जोड़ा गया है। इसके अलावा, प्रेजेंटिज्म की अवधारणा-शारीरिक रूप से मौजूद है, लेकिन मानसिक रूप से विघटित है-विस्तारित काम के घंटों का अक्सर अनदेखा परिणाम है। ओवरवर्क किए गए कर्मचारी उत्पादक दिखाई दे सकते हैं, लेकिन उच्च गुणवत्ता वाले आउटपुट को वितरित करने की संभावना कम है। यह केवल उन्हें विस्तारित करने के बजाय अधिकतम प्रभावकारिता के लिए काम के घंटों के अनुकूलन के महत्व को रेखांकित करता है। वास्तव में उत्पादकता क्या है? मात्रा पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, व्यापार नेताओं को प्रवचन को गुणवत्ता में स्थानांतरित करना चाहिए। उत्पादकता डेस्क या दुकान के फर्श पर बिताए समय के बारे में नहीं है, लेकिन उस दौरान जो हासिल किया जाता है। तीन प्रमुख कारक इसमें योगदान करते हैं- 1। प्रभावकारिता- प्रभावकारिता केवल अधिक करने के बजाय चीजों को सही करने पर जोर देती है। इसमें प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना, वर्कफ्लो का अनुकूलन करना और निरंतर सुधार की संस्कृति को बढ़ावा देना शामिल है। टोयोटा जैसे संगठनों ने लीन और काइज़न जैसी कार्यप्रणाली के माध्यम से इस सिद्धांत को चैंपियन बनाया है, जो कचरे को कम करने और दक्षता को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। 2। जवाबदेही- कर्मचारियों को उनके काम का स्वामित्व लेने के लिए सशक्त बनाना जवाबदेही को बढ़ावा देता है। जब व्यक्ति परिणामों के लिए जिम्मेदार महसूस करते हैं, तो वे स्वाभाविक रूप से लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में अपने प्रयासों को सरेखित करते हैं। गूगल के उकेआर (उद्देश्य और प्रमुख परिणाम) ढांचा यह उदाहरण देता है कि कैसे स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्ष्य और पारदर्शी जवाबदेही असाधारण परिणामों को चला सकते हैं।

बसंत पंचमी

बसंत पंचमी या श्री पंचमी हिन्दू त्यौहार है। इस दिन विद्या की देवी सरस्वती, कामदेव और विष्णु की पूजा की जाती है। यह पूजा विशेष रूप से भारत, बांग्लादेश, नेपाल और कई राष्ट्रों में बड़े उल्लास से मनायी जाती है। इस दिन पीले वस्त्र धारण करते हैं। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी से उल्लेखित किया गया है, तो पुराणों-शास्त्रों तथा अनेक काव्यग्रंथों में भी अलग-अलग ढंग से इसका चित्रण मिलता है।

प्राचीन भारत और नेपाल में पूरे साल को जिन छह ऋतुओं में बाँटा जाता था उनमें वसंत लोगों का सबसे मनचाहा मौसम था। जब फूलों पर बहार आ जाती, खेतों में सरसों का फूल मानो सोना चमकने लगता, जौ और गेहूँ की बालियाँ खिलने लगतीं, आमों के पेड़ों पर मांजर (बौ.र) आ जाता और हर तरफ रंग-बिरंगी तितलियाँ मँडराने लगतीं। भर-भर भंवरे भंवराने लगते। वसंत ऋतु का स्वागत करने के लिए माघ महीने के पाँचवे दिन एक बड़ा उत्सव मनाया जाता था जिसमें विष्णु और कामदेव की पूजा होती हैं। यह वसंत पंचमी का त्यौहार कहलाता था।

वसन्त पंचमी कथा

उपनिषदों की कथा के अनुसार सृष्टि के प्रारंभिक काल में ब्रह्मा ने जीवों, खासतौर पर मनुष्य योनि की रचना की। लेकिन अपनी सर्जना से वे संतुष्ट नहीं थे, उन्हें लगता था कि कुछ कमी रह गई है जिसके कारण चारों ओर मौन छाया रहता है। हालाकि उपनिषद व पुराण ऋषियो को अपना अपना अनुभव है, अगर यह हमारे पवित्र सत ग्रंथों से मेल नही खाता तो यह मान्य नही है।

तब ब्रह्मा जी ने इस समस्या के निवारण के लिए अपने कमण्डल से जल अपने हथेली में लेकर संकल्प स्वरूप उस जल को छिड़कर भगवान श्री विष्णु की स्तुति करनी आरम्भ की। ब्रम्हा जी के किये स्तुति को सुन कर भगवान विष्णु तत्काल ही उनके सम्मुख प्रकट हो गए और उनकी समस्या जानकर भगवान विष्णु ने आदिशक्ति दुर्गा माता का आव्हान किया। विष्णु जी के द्वारा आव्हान होने के कारण भगवती दुर्गा वहां तुरंत ही प्रकट हो गयीं तब ब्रम्हा एवं विष्णु जी ने उन्हें इस संकट को दूर करने का निवेदन किया।

ब्रम्हा जी तथा विष्णु जी बातों को सुनने के बाद उसी क्षण आदिशक्ति दुर्गा माता के शरीर से स्वेत रंग का एक भारी तेज उत्पन्न हुआ जो एक दिव्य नारी के रूप में बदल गया। यह स्वरूप एक चतुर्भुजी सुंदर स्त्री का था जिनके एक हाथ में वीणा तथा दूसरा हाथ में वर मुद्रा थे । अन्य दोनों हाथों में पुस्तक एवं माला थी। आदिशक्ति श्री दुर्गा के शरीर से उत्पन्न तेज से प्रकट होते ही उन देवी ने वीणा का मधुरनाद किया जिससे संसार के समस्त जीव-जन्तुओं को वाणी प्राप्त हो गई। जलधारा में कोलाहल व्याप्त हो गया। पवन चलने से सरसराहट होने लगी। तब सभी देवताओं ने शब्द और रस का संचार कर देने वाली उन देवी को वाणी की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती कहा।

फिर आदिशक्ति भगवती दुर्गा ने ब्रम्हा जी से कहा कि मेरे तेज से उत्पन्न हुई ये देवी सरस्वती आपकी पत्नी बनेंगी, जैसे लक्ष्मी श्री विष्णु की शक्ति हैं, पार्वती महादेव शिव की शक्ति हैं उसी प्रकार ये सरस्वती देवी ही आपकी शक्ति होंगी। ऐसा कह कर आदिशक्ति श्री दुर्गा सब देवताओं के देखते - देखते वहीं अंतर्धान हो गयीं। इसके बाद सभी देवता सृष्टि के संचालन में संलग्न हो गए।

सरस्वती को वागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है। ये विद्या और बुद्धि प्रदाता हैं। संगीत की उत्पत्ति करने के कारण ये संगीत की देवी भी हैं। बसन्त पंचमी के दिन को इनके प्रकटोत्सव के रूप में भी मनाते हैं। ऋग्वेद में भगवती सरस्वती का वर्णन करते हुए कहा गया है-

प्रणो देवी सरस्वती वाजेभिर्वजिनीवती धीनामणित्रयवतु।

अर्थात ये परम चेतना हैं। सरस्वती के रूप में ये हमारी बुद्धि, प्रज्ञा तथा मनोवृत्तियों की संरक्षिका हैं। हममें जो आचार और मेधा है उसका आधार भगवती सरस्वती ही हैं। इनकी समृद्धि और स्वरूप का वैभव अद्भुत है। पुराणों के अनुसार श्रीकृष्ण ने सरस्वती से प्रसन्न होकर उन्हें वरदान दिया था कि वसंत पंचमी के दिन तुम्हारी भी आराधना की जाएगी और तभी से इस वरदान के फलस्वरूप भारत देश में वसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी सरस्वती की भी पूजा होने लगी जो कि आज तक जारी है। पतंगबाज़ी का वसंत से कोई सीधा संबंध नहीं है। लेकिन पतंग उड़ाने का रिवाज़ हज़ारों साल पहले चीन में शुरू हुआ और फिर कोरिया और जापान के रास्ते होता हुआ भारत पहुँचा।

पर्व का महत्व

वसंत ऋतु आते ही प्रकृति का कण-कण खिल उठता है। मानव तो क्या पशु-पक्षी तक उल्लास से भर जाते हैं। हर दिन नयी उमंग से सूर्योदय होता है और नयी चेतना प्रदान कर अगले दिन फिर आने का आश्वासन देकर चला जाता है।

यों तो माघ का यह पूरा मास ही उत्साह देने वाला है, पर वसंत पंचमी (माघ शुक्ल) का पर्व भारतीय जनजीवन को अनेक तरह से प्रभावित करता है। प्राचीनकाल से इसे ज्ञान और कला की देवी मां सरस्वती का जन्मदिवस माना जाता है। जो शिक्षाविद भारत और भारतीयता से प्रेम करते हैं, वे इस दिन मां शारदे की पूजा कर उनसे और अधिक ज्ञानवान होने की प्रार्थना करते हैं। कलाकारों का तो कहना ही क्या? जो महत्व सैनिकों के लिए अपने शस्त्रों और विजयादशमी का है, जो विद्वानों के लिए अपनी पुस्तकों और व्यास पूर्णिमा का है, जो व्यापारियों के लिए अपने तराजू, बाट, बहीखातों और दीपावली का है, वही महत्व कलाकारों के लिए वसंत पंचमी का है। चाहे वे कवि हों या लेखक, गायक हों या वादक, नाटककार हों या नृत्यकार, सब दिन का प्रारम्भ अपने उपकरणों की पूजा और मां सरस्वती की वंदना से करते हैं।

पौराणिक महत्व

इसके साथ ही यह पर्व हमें अतीत की अनेक प्रेरक घटनाओं की भी याद दिलाता है। सर्वप्रथम तो यह हमें त्रेता युग से जोड़ती है। रावण द्वारा सीता के हरण के बाद श्रीराम उनकी खोज में दक्षिण की ओर बढ़े। इसमें जिन स्थानों पर वे गये, उनमें दण्डकारण्य भी था। यहीं शबरी नामक भीलनी रहती थी। जब राम उसकी कुटिया में पधारे, तो वह सुध-बुध खो बैठी और चख-चखकर मीठे बेर राम जी को खिलाने लगी। प्रेम में पगे जूठे बेरों वाली इस घटना को रामकथा के सभी गायकों ने अपने-अपने ढंग से प्रस्तुत किया।

दंडकारण्य का वह क्षेत्र इन दिनों गुजरात और मध्य प्रदेश में फैला है। गुजरात के डांग जिले में वह स्थान है जहां शबरी मां का आश्रम था। वसंत पंचमी के दिन ही रामचंद्र जी वहां आये थे। उस क्षेत्र के वनवासी आज भी एक शिला को पूजते हैं, जिसके बारे में उनकी श्रध्दा है कि श्रीराम आकर यहीं बैठे थे। वहां शबरी माता का मंदिर भी है।

ऐतिहासिक महत्व

वसंत पंचमी हमें गुरू रामसिंह कूका की भी याद दिलाती है। उनका जन्म 1816 ई. में वसंत पंचमी पर लुधियाना के भैणी ग्राम में हुआ था। कुछ समय वे महाराजा रणजीत सिंह की सेना में रहे, फिर घर आकर खेतीबाड़ी में लग गये, पर आध्यात्मिक प्रवृत्ति होने के कारण इनके प्रवचन सुनने लोग आने लगे। धीरे-धीरे इनके शिष्यों का एक अलग पंथ ही बन गया, जो कूका पंथ कहलाया। गुरू रामसिंह, गोरक्षा, स्वदेशी, नारी उद्धार, अन्तरजातीय विवाह, सामूहिक विवाह आदि पर बहुत जोर देते थे। उन्होंने भी सर्वप्रथम अंग्रेजी शासन का बहिष्कार कर अपनी स्वतंत्र डाक और प्रशासन व्यवस्था चलायी थी।

आयकर व्यवस्था में बड़े बदलाव का क्या होगा असर? मध्यम वर्ग को कितनी मिलेगी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा शनिवार को पेश किए बजट में प्रति वर्ष 12.75 लाख रुपये तक की आय वाले वेतनभोगी व्यक्तियों को कर से पूर्ण छूट प्रदान की गई है। आयकर व्यवस्था में यह बदलाव न केवल मध्यम वर्ग के लिए एक बड़ी राहत है, बल्कि आर्थिक विकास को मजबूत करने के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन को लागू करने की सरकार की उत्सुकता को भी दर्शाता है।

कर स्लैब में बदलाव किस श्रेणी के व्यक्तियों के लिए फायदेमंद है?

नई कर व्यवस्था किसी भी व्यक्ति पर लागू होती है। चाहे वह हिंदू अविभाजित परिवार का सदस्य हो, या (सहकारी समिति के अलावा) व्यक्तियों का कोई संगठन हो, या (व्यक्तियों का) कोई निकाय हो - भले ही वह निगमित हो अथवा नहीं; या धारा दो के खंड (31) के उप-खंड (सात) में निर्दिष्ट कोई व्यक्ति हो। तदनुसार, कर स्लैब में बदलाव से इन सभी व्यक्तियों को लाभ होगा।

12 लाख रुपये की आय वाले व्यक्ति को नई दरों से क्या लाभ होगा- पहले किसी भी व्यक्ति को 12 लाख रुपये की आय के लिए 80,000 रुपये (नई व्यवस्था में) का कर देना पड़ता था। अब उसे ऐसी आय पर कोई कर नहीं देना होगा।

क्या नई व्यवस्था में वेतन पर मानक कटौती उपलब्ध है- हां, नई व्यवस्था में करदाता को 75,000 रुपये की मानक कटौती उपलब्ध है। इसलिए, वेतनभोगी करदाता को कोई कर नहीं देना होगा, जहां मानक कटौती से पहले उसकी आय 12,75,000 रुपये से कम या उसके बराबर है।

क्या पुरानी व्यवस्था में मानक कटौती उपलब्ध है- पुरानी व्यवस्था में 50,000 रुपये की मानक कटौती उपलब्ध है।

12,10,000 रुपये की आय वाले करदाता को कितना कर देना होगा? सीमांत राहत क्या है- ऐसे करदाता पर स्लैब के अनुसार केवल 61,500 रुपये की कर देयता है। हालांकि, 12 लाख रुपये की आय वाला व्यक्ति शून्य कर का भुगतान करता है।

सीमांत राहत प्रदान करके यह सुनिश्चित किया गया है कि 12 लाख रुपये से थोड़ी अधिक आय वाले व्यक्ति को 12 लाख रुपये से अधिक की आय के बराबर कर की केवल सीमांत राशि का भुगतान करना होगा ताकि उसके पास घर ले जाने के लिए भी 12 लाख रुपये हों।

कंपनियां दे रही हैं बोनस शेयर, रिकॉर्ड डेट इसी हफ्ते, लिस्ट में पेनी स्टॉक भी

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में इस हफ्ते 3 कंपनियों के शेयर एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेंगे। इन 3 कंपनियों की लिस्ट में रेडटेप लिमिटेड, संगम फिनसर्व लिमिटेड भी है। आइए जानते हैं कि कौन सी कंपनी कितना बोनस शेयर दे रही है?

संगम फिनसर्व - शेयर बाजार में कंपनी पहली बार एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड करने जा रही है। कंपनी ने कहा है कि एक शेयर पर योग्य निवेशकों को 4 शेयर बोनस दिया जाएगा। इस बोनस इश्यू के लिए संगम फिनसर्व ने 7 फरवरी 2025 की तारीख को रिकॉर्ड डेट घोषित किया है। बता दें, इससे पहले कंपनी ने 2 बार निवेशकों को डिविडेंड दिया था। एक बार 1 शेयर पर 1 रुपये और दूसरी बार 1 शेयर पर 1.20 रुपये का डिविडेंड कंपनी की तरफ से दिया गया था।

शनिवार यानी 1 फरवरी को संगम फिनसर्व के शेयरों में अपर सर्किट लगा था। कंपनी के शेयरों का भाव 5 प्रतिशत की उछाल के बाद 331.25 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। बीते एक साल में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 240 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है।

रेडटेप लिमिटेड - यह कंपनी भी पहली बार ही बोनस शेयर दे रही है। कंपनी ने एक शेयर पर 3 शेयर बोनस के तौर पर देने का फैसला किया है। इस बोनस शेयर के लिए कंपनी 4 फरवरी 2025 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

सभी जिला अस्पतालों में होगा कैंसर का इलाज, हेल्थ सेक्टर को लेकर क्या है सरकार का प्लान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैंसर का इलाज सर्वसुलभ कराने के लिए वित्तमंत्री सीतारमण ने देश के सभी जिला अस्पतालों कैंसर के इलाज की सुविधा विकसित करने का ऐलान किया है। इसके लिए जिला अस्पतालों में डे-केयर कैंसर केंद्रों की स्थापना की जाएगी।

इसके साथ ही वित्तमंत्री ने 36 जीवन रक्षक दवाओं पर आयात शुल्क खत्म करने भी ऐलान किया है। ध्यान देने की बात है कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का इलाज सर्वसुलभ और सस्ता करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

सभी जिला अस्पतालों में डे-केयर कैंसर सेंटर खुलेंगे- पिछले साल जुलाई में पेश बजट में निर्मला सीतारमण ने कैंसर के इलाज से जुड़े चार दवाओं को आयात शुल्क से छूट देने का ऐलान किया था। अब उन्होंने अगले तीन साल में सभी जिला अस्पतालों में डे-केयर कैंसर सेंटर खोलने का ऐलान किया है, जिनमें 200 डे-केयर कैंसर सेंटर अगले वित्तीय वर्ष में ही खोल दिये जाएंगे। इसके साथ ही सरकार ने देश भर में खोले गए एक लाख 76 प्रधानमंत्री आरोग्य मंदिर में अन्य बीमारियों के साथ-साथ कैंसर की जांच का प्रविधान किया है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को ब्राडबैंड से जोड़ने की तैयारी- वहीं, गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं तक आम लोगों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सरकार का डिजिटल हेल्थ केयर पर जोर जारी है। इस साल डिजिटल हेल्थ केयर के बजट में 70 फीसद की बढ़ोतरी करते हुए 340 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। डिजिटल हेल्थ केयर के तहत शुरू किये गए ई-संजीवनी पोर्टल पर अभी तक 11 करोड़ से अधिक लोग टेली-मेडिसिन के मार्फत चिकित्सा परामर्श ले चुके हैं।

बजट में सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को ब्राडबैंड से जोड़ने का ऐलान किया गया है। माना जा रहा है कि प्राथमिकता स्वास्थ्य केंद्रों के ब्राडबैंड से जुड़ने से सुदूर के इलाकों में टेली मेडिसिन के मार्फत गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं पहुंचाना आसान हो जाएगा।

विदेश में भी भारत के केंद्रीय बजट की चर्चा, ब्रिटिश व्यापारियों ने विश्वास-आधारित बजट का किया स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम बजट का ब्रिटेन के व्यापारी और निवेशक समुदाय ने स्वागत किया है। इसमें आर्थिक विकास, निजी निवेश को बढ़ावा देने और विश्वास आधारित आर्थिक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

यूके इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूकेआईबीसी) के सीईओ रिचर्ड मैक्लम ने कहा कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, कौशल विकास और नीति सुधारों से जुड़ी शर्तों को सरल बनाने पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया गया है।

आर्थिक वृद्धि और निजी निवेश को बढ़ावा- मैक्लम ने कहा कि आर्थिक वृद्धि और निजी निवेश को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने से उत्साहित हूं, क्योंकि हमें विकास को टिकाऊ बनाने, कौशल विकास और उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देने के लिए अधिक निजी निवेश की आवश्यकता है। इससे मुक्त व्यापार समझौता वार्ता को लाभ मिलेगा।

उन्होंने निरीक्षणों और प्रमाणन को सरल बनाने के लिए सुधारों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि हम लंबे समय से विदेशी निवेश से जुड़ी शर्तों को आसान बनाने की वकालत कर रहे हैं।

आईजीएफ के संस्थापक ने क्या कहा- ब्रिटेन स्थित इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ने कहा कि बजट में विनिर्माण और बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करने के साथ वैश्विक निवेशकों के लिए बहुत कुछ है।

कर्ज के बोझ को कम कर वित्तीय मजबूती की ओर अर्थव्यवस्था, राजकोषीय घाटे में कमी से बढ़ेगी विकास दर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना महामारी की वजह से प्रभावित वित्तीय सेहत को अब फिर से मजबूती देने में सरकार जुट गई है। फाइनेंशियल रिस्पांस्बिलिटी एंड बजट मैनेजमेंट (एफआरबीएम) एक्ट के तहत सरकार अपने राजकोषीय घाटे को कम करने के साथ कुल कर्ज अनुपात में कमी के लिए प्रतिबद्ध दिख रही है।

कर्ज का अनुपात जीडीपी की विकास दर पर भी निर्भर करेगा- बजट में वित्त वर्ष 2030-31 तक कर्ज के अनुपात को जीडीपी के 51 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखा गया है। चालू वित्त वर्ष में कर्ज का अनुपात 57.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि कर्ज का अनुपात जीडीपी की विकास दर पर भी निर्भर करेगा।

अगर चालू मूल्य पर जीडीपी विकास दर अगले पांच साल में 11 प्रतिशत रहती है तो वित्त वर्ष 2030-31 में कर्ज का अनुपात जीडीपी के 48 प्रतिशत तक जा सकता है। कर्ज में कमी और राजस्व में बढ़ोतरी से राजकोषीय घाटे में भी लगातार कमी आएगी।

केंद्र सरकार का कर्ज जीडीपी के 56.1 प्रतिशत रहने का अनुमान

चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.8 प्रतिशत तो आगामी वित्त वर्ष 2025-26 में यह 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। अगले वित्त वर्ष में केंद्र सरकार का कर्ज जीडीपी के 56.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

बजट घोषणा के मुताबिक आगामी वित्त वर्ष में कुल टैक्स राजस्व 42.70 लाख करोड़ रहने का अनुमान है जो चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान के मुकाबले 10.8 प्रतिशत अधिक है। 42.7 लाख करोड़ में 25.20 लाख करोड़ रुपये प्रत्यक्ष कर से आने का अनुमान है।

राजकोषीय प्रबंधन से ऋण बाजारों को लाभ होना चाहिए- पीरामल इंटरप्राइजेज के मुख्य अर्थशास्त्री देबोपम चौधरी के मुताबिक बजट के राजकोषीय प्रबंधन से ऋण बाजारों को लाभ होना चाहिए।

पावर कंपनी का 26% घट गया प्रॉफिट, कारोबार के दौरान शेयर बेचने की थी होड़, अब 15 पर आ गया भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। जयप्रकाश पावर वेंचर्स यानी जेपी पावर ने शनिवार 1 फरवरी को अपने दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। दिसंबर तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 26.7% तक गिर गया और यह 126.68 करोड़ रुपये रह गया। नियामक फाइलिंग के अनुसार, 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तीसरी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 172.85 करोड़ रुपये का था। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कुल आय 2,2 रुपये के मुकाबले घटकर 1,256.63 करोड़ रुपये रह गई।

कंपनी के शेयरों के हाल- जेपी पावर के शेयर बीते शनिवार को कारोबार के दिन 2त्न से अधिक गिरकर 15.80 रुपये पर आ गए थे। इस साल अब तक यह शेयर 12% तक टूट गया। महीनेभर में कंपनी के शेयर 10% चढ़ गए। सालभर में यह शेयर 15% तक गिर गया। छह महीने में कंपनी के शेयर 613% तक चढ़ गए। इस दौरान इसकी कीमत 2 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गई। 4 जनवरी 2008 को कंपनी के शेयर 138 रुपये पर थे। इस दौरान यह शेयर 88% तक गिर गया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

महाकुंभ की भगदड़ में बिछड़ी महिला जबलपुर में अपने गांव पहुंची, छलक उठे परिवार के आंसू

जबलपुर । प्रयागराज के महाकुंभ मेले में मौनी अमावस्या को संगम में स्नान करने के बाद अचानक भीड़ बढ़ने और भगदड़ के कारण अपनों से बिछड़ गई प्रभा पटेल शनिवार को दोपहर लगभग 12:30 बजे अपने घर घुघरी नवीन पहुंच गई। गोसलपुर स्टेशन से ऑटो से जैसे ही वह अपने घर पहुंची घर परिवार के लोगों में खुशी के आंसू छलक पड़े।

गांव के लोग भी एकत्रित हो गए महिलाओं ने उन्हें अपने गले लगा लिया। वहीं उनके पति सुग्रीव पटेल भी भाव विभोर हो गए। दरअसल मौनी अमावस्या को प्रभा पटेल अपने साथ के लोगों के साथ पुल की ओर आ रहे थीं। इस दौरान वहां भीड़ बढ़ गई जिससे वह बिछड़ गई और काफी समय बाद रेलवे स्टेशन पहुंच गई। नागपुर पहुंच गई थी

ट्रेन तलाशने की भूल भुलैया में सामने खड़ी ट्रेन में यह जानकर बैठ गईं। उन्हें लगा कि इसमें मेरे साथ आए लोग बैठे होंगे। जब वे नागपुर पहुंच गईं तो उन्हें लगा कि मैं तो नागपुर जाने वाली ट्रेन में बैठ गई थी। प्रभा पटेल नागपुर स्टेशन पर उतरने के बाद उन्होंने पुलिस को बताया, जिसके बाद वह वापस जबलपुर आ पाईं।

टाईगर छोटा भीम की मौत, भोपाल में चल रहा था मशहूर बाघ का उपचार

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मशहूर बाघ छोटा भीम की उपचार के दौरान रविवार को भोपाल में मौत हो गई। छोटा भीम को नवंबर के महीने में गले में फंदा फंस जाने से घायल होने के बाद भोपाल उपचार के लिए भेजा गया था।

भोपाल वन विहार रेस्क्यू सेंटर में छोटा भीम का उपचार किया जा रहा था। भोपाल भेजे जाने के कुछ दिनों बाद यह खबर आई थी कि छोटा भीम की सेहत में सुधार हो रहा है। घटना के लगभग 2 महीने बाद आई उसकी मौत की सूचना ने वन्य प्राणी प्रेमियों को सकते में डाल दिया है। सांस लेने में थी परेशानी

बताया जा रहा है कि छोटा भीम के गले में लगी चोट की वजह से उसे सांस लेने में लगातार परेशानी हो रही थी, जिसकी वजह से उसकी मौत हुई है। बताया जा रहा है कि गले में लगी चोट को डॉक्टर ठीक नहीं कर पाए थे, जिसकी वजह से इंफेक्शन भी लगातार बढ़ता जा रहा था।

भोपाल वन विहार राष्ट्रीय उद्यान संचालक ने बताया है कि नर बाघ छोटा भीम, जो उपचार हेतु बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, उमरिया से 30 नवंबर 2024 को घायल अवस्था में लाया गया था, उपचार के दौरान बाघ मौत हो गई है।

गले में फंस गया था फंदालगभग दो महीना पहले छोटा भीम को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के खतौली क्षेत्र से रेस्क्यू किया गया था। उस समय उसके गले में दो पहिया वाहन के क्लच वायर का बना हुआ फंदा कसा हुआ था।

उसने फंदे से मुक्त होने के लिए काफी प्रयास किया था, जिसके कारण फंदा उसके गले में काफी अंदर तक धंस गया था और वह बुरी तरह से घायल हो गया था।

बाघ डी-वन से संघर्ष इस घटना के कुछ दिन पहले छोटा भीम का डी वन बाघ से भी संघर्ष हुआ था, जिसमें उसके पैर में चोट लग गई थी। छोटा भीम की मौत बांधों का टाइगर रिजर्व के लिए बड़ी क्षति है।

एक यात्री का रुपये से भरा बैग मुख्य स्टेशन के एक एटीवीएम ऑपरेटर ने पार किया

ग्वालियर। एक यात्री का रुपये से भरा बैग मुख्य स्टेशन के एक एटीवीएम ऑपरेटर ने पार किया था। चोरी के आरोपित निजी ऑपरेटर को शासकीय रेल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ग्वालियर के चेतकपुरी गेट के सामने रहने वाले प्रदीप मिश्रा कुछ दिन पूर्व जबलपुर आए थे।

वे मुख्य स्टेशन के प्लेटफार्म-छह पर टिकट काउंटर के पास एक एवीटीएम मशीन से टिकट ले रहे थे। इस दौरान उन्होंने अपना बैग मशीन के पास में रखा और मशीन के निजी ऑपरेटर के साथ बातचीत करते हुए टिकट की प्रकिया करने लगे।

बैग में दो लाख रुपये और कुछ डाक्यूमेंट थे तभी मौका पाकर शातिर ऑपरेटर ने उनका बैग पार कर दिया। बैग में दो लाख रुपये और कुछ अभिलेख रखे थे। बैग चोरी की शिकायत पर जीआरपी ने जांच की। सीसीटीवी कैमरा फुटेज देखा तो निजी ऑपरेटर बैग उठाकर ले जाता दिखा। आरोपित निजी ऑपरेटर कटनी के गायत्री नगर निवासी जितेंद्र कुमार राय को गिरफ्तार कर लिया है।

अभी गर्मी के बारे में मत सोचो, क्योंकि फरवरी में लौटेगी ठंड, साथ में होगा कोहरा भी

ग्वालियर। जनवरी के महीने में शीतलहर न चले, ये हो नहीं सकता, लेकिन इस बार जनवरी के महीने में शीतलहर चली ही नहीं। दूसरे शब्दों में कहें तो पिछले साल की तुलना में इस बार जनवरी का महीना कम ठंडा रहा। सात से आठ दिन ही अधिक ठंड रही।

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, इन दिनों में भी शहर का तापमान 6 डिग्री नीचे नहीं गया। साथ ही कोहरे वाले दिन भी इस बार काफी कम रहे और माह के अंत में तापमान में बढ़ोतरी होने से लोगों को गर्मी का एहसास होने लगा। फरवरी में पश्चिमी विछोभ आएगा, बारिश भी हो सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक, एक व तीन फरवरी को पश्चिमी विछोभ आएगा और बारिश भी हो सकती है। ऐसे में तापमान में गिरावट आएगी। ठंड भी बढ़ सकती है। पिछले तीन दिनों से दिन में लोग गर्मी का अहसास भी कर रहे हैं। अधिकतम तापमान 27 से 28 डिग्री के आसपास है। यह तापमान सामान्य से अधिक है। जनवरी महीने में 10 तारीख तक को कोहरा अधिक रहता ही है। लेकिन इस बार कोहरे वाले दिन भी छह सात दिन रहे।

न पानी बरसा और न ही शीतलहर चली

पिछले कुछ सालों में जनवरी का यह महीना पूरी तरह से शुष्क निकल गया। कभी बारिश नहीं हुई। यहां तक कि बूंदाबांदी तक नहीं हुई। जबकि हर साल जनवरी महीने मे बारिश हो जाती थी। जिससे ठंड के मिजाज कड़क पड़ जाते थे और लोगों को परेशानी होती थी।

आमतौर पर दिसंबर के आखिरी व जनवरी के प्रथम सप्ताह में अंचल में शीतलहर चलती थी। लेकिन इस बार ऐसा हुआ है कि एक दिन भी शीत लहर नहीं चली। ऐसे में लोगों को राहत रही।

कैसा होगा फरवरी का महीना

मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक हुकुम सिंह की माने तो फरवरी माह कई पश्चिमी विक्षोभ आएंगे। एक व तीन को पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहे हैं। ऐसे में 3 व 4 फरवरी को हल्की बारिश हो सकती है। इसके साथ ही अन्य दिनों में भी बारिश हो सकती है। इसलिए फरवरी में तापमान कम हो सकता है और ठंड एक बार फिर से वापसी कर सकती है।

भिंड में सराफा व्यापारी को लूटने वाले बदमाश शार्ट एनकाउंटर के बाद आए पकड़ में

भिंड। भिंड शहर के किला रोड से सर्राफा व्यापारी को काटता लगाकर लूट करने वाले बदमाशों को पुलिस ने अटेर के किला के पास शार्ट एनकाउंटर में पकड़ लिया है। पुलिस को देखकर बदमाशों ने कट्टे से फायर खोल दिए जवाबी कार्रवाई में पुलिस की और से चली फायरिंग में दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी है।

घायल घर बदमाशों को पुलिस जिला अस्पताल लेकर आई है यह कार्रवाई रविवार अलसुबह करीब चार बजे की है। पुलिस ने बदमाशों से व्यापारी से लूट गया सामान भी बरामद किया है।यह है पूरा मामला

45 वर्षीय आनंद सोनी पुत्र रामनारायण सोनी निवासी खिड़किया मोहल्ला की मुन्नासिंह की गली की किला रोड पर आनंद ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। शनिवार शाम सात बजे व्यापारी दुकान पर पूजा कर रहे थे। इसी दौरान बाइक पर तीन बदमाश आए। तीनों बदमाश कट्टे लिए थे।

कट्टा लेकर सड़क पर खड़ा हो गया था-दो बदमाश दुकान के अंदर गए। एक बदमाश कट्टा लेकर दुकान के नीचे सड़क पर खड़ा हो गया। दूसरे बदमाश ने आनंद के कट्टा लगा दिया। तीसरा बदमाश बोरी में सोने-चांदी के जेवर भरने लगा। सिर्फ पांच मिनट में बदमाशों ने सामान भरा और दो फायर करते हुए हनुमान बजरिया की तरफ भाग गए। लूट के दौरान बदमाश व्यापारी से बोले थे कि वह माया गैंग से है। लूट की वारदात की सूचना मिलते ही पांच मिनट में कोतवाली टीआई प्रवीण सिंह चौहान मौके पर पहुंच गए। इसी दौरान एसपी डा. असित यादव, डीएसपी हैडक्वार्टर दीपक तोमर के अलावा पांच थानों का फोर्स मौके पर आ गया।

आठ घंटे में बदमाश का किया शार्ट एनकाउंटर-घटना के बाद एसपी डॉ. असित यादव ने पांच थानों की पुलिस को बदमाशों के पीछे लगा दिया। शहर में लगी सीसीटीवी कैमरे चेक करने पर बदमाश अटेर की तरफ भागते हुए दिखाई दिए। रविवार अलसुबह पुलिस अटेर में किला के पास पहुंची तो वहां तीनों बदमाश लूट गए सामान का बटवारा करते हुए दिखाई दिए पुलिस ने बदमाशों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा तो उन्होंने पुलिस पर कट्टे से फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगते ही सरेंडर कर दिया।

इंदौर एयरपोर्ट ने मारी जबरदस्त छलांग! देश में दूसरा स्थान, नंबर वन बनने से बस 0.01 अंक दूर

इंदौर। इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट ने 2024 की अंतिम तिमाही में जबरदस्त सुधार करते हुए देश में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ ही यह केवल त्रिची एयरपोर्ट से 0.01 अंक पीछे है, जिसने 4.97 अंक प्राप्त कर देश में पहला स्थान हासिल किया है। जबकि, 2024 की पहली तिमाही में इंदौर एयरपोर्ट का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक था और उसे देश के प्रमुख 14 एयरपोर्ट में 12वीं रैंकिंग मिली थी। विश्व रैंकिंग में भी इंदौर एयरपोर्ट ने सुधार किया है और अब यह 66वें स्थान से उठकर 61वें स्थान पर आ गया है। एयरपोर्ट डायरेक्टर वी. के. सेठ ने जानकारी दी कि शुक्रवार देर शाम एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा बीते साल की चौथी तिमाही (अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर) के सर्वे के परिणाम जारी किए गए, जिसमें इंदौर एयरपोर्ट को पांच में से 4.96 अंक मिले हैं। इससे पहले जुलाई, अगस्त और सितंबर की तिमाही में एयरपोर्ट को 4.91 अंक मिले थे, जबकि उससे भी पहले अप्रैल, मई और जून की तिमाही में यह स्कोर 4.66 था। डायरेक्टर सेठ के अनुसार, बीते छह महीनों में इंदौर एयरपोर्ट ने उल्लेखनीय सुधार किया है और अब यह देश के शीर्ष एयरपोर्ट में अपनी स्थिति मजबूत बना चुका है। इंदौर एयरपोर्ट, जो एक समय देश में पहले स्थान पर था, इस साल की शुरुआती दो तिमाहियों में लगातार 12वें नंबर पर रहा था, जिससे एयरपोर्ट प्रबंधन की काफी आलोचना हुई थी। इसके बाद तत्कालीन एयरपोर्ट डायरेक्टर सी. वी. रविंद्रन का तबादला कर दिया गया था और वी. के. सेठ को इंदौर एयरपोर्ट डायरेक्टर नियुक्त किया गया था। इस बदलाव के बाद एयरपोर्ट ने तेजी से सुधार किया और लगातार अपनी रैंकिंग बेहतर करते हुए अब देश में दूसरा स्थान प्राप्त कर लिया है। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) द्वारा एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी (एएसक्यू) सर्वे के तहत यात्रियों से फीडबैक लिया जाता है। यह सर्वे उन एयरपोर्ट्स पर किया जाता है जहां सालाना 18 लाख से अधिक यात्री सफर करते हैं। इसे इंटरनेशनल रैंकिंग सर्वे भी कहा जाता है और इसमें एशिया पैसिफिक के 18 देशों के 98 एयरपोर्ट्स को शामिल किया जाता है। भारत के प्रमुख 14 एयरपोर्ट्स पर यह सर्वे किया जाता है, जिसमें इंदौर ने शानदार प्रदर्शन किया है। इस सर्वे के तहत विशेषज्ञों की टीम यात्रियों से एयरपोर्ट की सेवाओं को लेकर फीडबैक प्राप्त करती है। इसके अलावा, भारत के अन्य घरेलू एयरपोर्ट्स पर कस्टमर सैटिस्फेक्शन सर्वे किया जाता है। कुछ साल पहले इंदौर एयरपोर्ट घरेलू एयरपोर्ट्स की सूची में टॉप 10 में शामिल था।

भारतीय तटरक्षक बल के जवानों का साहस, त्याग और समर्पण है वंदनीय- मुख्यमंत्री

इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय तटरक्षक दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि सामुदायिक तटों और महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्रों को सुरक्षा प्रदान कर भारतीय तट रक्षक देश की समृद्धि में अद्वितीय योगदान दे रहे हैं। ÷वयम् रक्षाम÷ के ध्येय वाक्य को आत्मसात कर देश की तटीय सीमाओं की रक्षा के लिए समर्पित भारतीय तटरक्षक बल (इंडिया कोस्ट गार्ड) के जवानों का साहस, त्याग और समर्पण वंदनीय है।

वर्तमान दौर में शांति और मानव गरिमा विषय पर जन-संवाद का आयोजन

इंदौर। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद राष्ट्रों के बीच कूटनीति और संवाद के माध्यम से भविष्य के युद्धों को टालने की आकांक्षा के साथ संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की गई। मगर आज हम कहाँ खड़े हैं! इस दुनिया के कई कोनों में युद्ध और सामूहिक हत्याएँ हो रही हैं।

दिल और फेफड़ों के बीच था ढाई किलो का ट्यूमर, सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने बचाई युवती की जान

इंदौर। इंदौर शहर के शासकीय अस्पतालों में अब जटिल सर्जरी होने लगी है, इससे लोगों को लाभ मिलने लगा है। सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल में फाइब्रोमैटोसिस बीमारी से पीड़ित 22 वर्षीय युवती के फेफड़े और दिल के पास से डॉक्टरों ने 2.50 किलो का ट्यूमर निकाला।

अधीक्षक डॉ. सुमित शुक्ला ने दावा किया कि प्रदेश के किसी भी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय में यह इस तरह की पहली सर्जरी है। विशेषज्ञों ने बताया कि छाती के दुर्लभ ट्यूमर की जटिल सर्जरी की गई है। यह सर्जरी आजाद नगर निवासी युवती की हुई।

फेफड़ों और दिल के करीब था ट्यूमर- युवती फाइब्रोमैटोसिस नामक अत्यंत दुर्लभ बीमारी से ग्रसित थी। आठ माह से वह परेशान हो रही थी। इस तरह के ट्यूमर की सर्जरी करने में काफी समस्या आती है, क्योंकि यह बीमारी फेफड़ों और दिल के काफी नजदीक थी, इसलिए इन अंगों को बचाकर इसे सुरक्षित तरीके से निकालना चुनौतीपूर्ण था। साथ ही निकाले गए हिस्से का पुनर्निर्माण ऐसा किया जाना था कि भविष्य में भी वे अंग सुरक्षित रहें।

अहमदाबाद से कृत्रिम इम्प्लांट बुलवाकर किया छाती का पुनर्निर्माण- डॉ. भावेश बंग ने बताया कि यह ट्यूमर छाती के सामने के हिस्से में होने से इसे निकालकर छाती का पुनर्निर्माण जटिल था। सही तरीके से छाती का पुनर्निर्माण नहीं होने की स्थिति में स्तन के छाती के अंदर धंसने की आशंका थी।

मरीज की पसलियों को बीमारी ने जकड़ रखा था, जिनके निकलने के बाद फेफड़ों के बाहर आने की आशंका थी। छाती का ढांचा स्थिर नहीं होकर सांस लेने की वजह से लगातार चलता रहता है। इसलिए यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक था कि सर्जरी के बाद मरीज को सांस लेने में समस्या नहीं हो।

आयुष्मान योजना के तहत फ्री में हुई सर्जरी- छाती के पुनर्निर्माण में उपयोग आने वाले कृत्रिम इम्प्लांट शहर में उपलब्ध नहीं थे, जिसे अहमदाबाद से विशेषतौर पर बनवाकर बुलवाया गया।

इंदौर में ट्रैफिक सुधार के जतन फ्लॉप, न जवाहर मार्ग वन-वे, न राजवाड़ा पर ई रिक्शा की रोक

इंदौर। इंदौर सफाई के मामले में भले ही अव्वल हो, लेकिन ट्रैफिक के मामले में पिछड़ा हुआ है। ट्रैफिक सुधार के लिए तीन माह में जो भी जतन किए गए, वे फ्लाप साबित हुए। प्रशासन ने अधिसूचना जारी कर जवाहर मार्ग को वन-वे किया था, लेकिन एक माह भी उसका ठीक से पालन नहीं हो सका। अब दोनों तरफ से जवाहर मार्ग पर वाहन आ-जा रहे है। इसके अलावा राजवाड़ा के सामने ई रिक्शा की रोक के निर्णय पर भी अमल नहीं हो पाया है। राजवाड़ा के सामने ही रिक्शा नजर आ रहे है। शहर के मार्गों के फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त करने की मुहिम जरुर चल रही है, लेकिन उसका ट्रैफिक सुधार में ज्यादा असर दिखाई नहीं दे रहा। शाम सात बजे के बाद ट्रैफिक का दबाव शहर में ज्यादा रहता है, तब कई फल-सब्जी के ठेले सड़कों पर खड़े हो जाते है,क्योकि रात के समय शहर में नगर निगम की रिमूवल गैंग नहीं संचालित होती है।

ई रिक्शा सबसे ज्यादा बेलगाम- शहर में ई रिक्शा के कारण सबसे ज्यादा ट्रैफिक बाधित हो रहा है। इनकी संख्या शहर में बढ़ गई है और चालक सवारी के लिए कही भी रिक्शा खड़े कर देते है। इनकी स्पीड भी कम रहती है। इस कारण दूसरे वाहन भी आगे नहीं बढ़ पाते है। प्रशासन ने ई रिक्शा के रुट भी तय किए थे, लेकिन पूरे शहर में इनका संचालन हो रहा है।

इन चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस भी नदारद- इंदौर में कई चौराहों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ चुका है, लेकिन वहां यातायात संभालने के लिए ट्रैफिक जवान नजर नहीं आते। दूसरे शहरों में शाम के समय थाने के पुलिसकर्मी भी ट्रैफिक व्यवस्था संभालते है, लेकिन हमारे इंदौर में यह परिपाटी नहीं है। रसोमा लेबोरेटरी, कालानी नगर चौराहा, अनोप टॉकिज चौराहा, चंद्रगुप्त मोर्य प्रतिमा चौराहा, मारुति नगर चौराहा पर हर दिन शाम को ट्रैफिक जाम रहता है, लेकिन ट्रैफिक विभाग को फोकस सिर्फ शहर के मध्य हिस्से के चौराहों पर ही रहता है।

नवलखा बस स्टैंड पर जिला प्रशासन और यातायात पुलिस की बड़ी कार्रवाई

इन्दौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर जिला प्रशासन, परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से आज नवलखा बस स्टैंड पर यात्री बसों और बुकिंग ऑफिसों की सघन जांच की गई। जाँच में 17 यात्री बुकिंग ऑफिस बिना लाइसेंस के संचालित पाए गए। यात्री बुकिंग ऑफिस संचालकों से ऑफिस के दस्तावेज मांगे जाने पर उनके द्वारा मौके पर उपलब्ध नहीं करवाए गये, जिससे मौके पर ही इन बुकिंग ऑफिसों को सील करने की कार्रवाई की गई।

साथ ही नवलखा बस स्टैंड से संचालित इंटरस्टेट और स्टेज कैरिज की बसों की भी जांच की गई। इस दौरान 11 बसों में विभिन्न कमियां पाए जाने पर मोटरयान अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई कर 45 हजार रूपये का जुर्माना वसूला गया। मौके पर दस्तावेज नहीं पाए जाने पर तीन बसों को जप्त भी किया गया। कार्रवाई में एसडीएम श्री घनश्याम धनगर, आरटीओ श्री प्रदीप कुमार शर्मा एवं आरआई श्रीमती रेखा परिहार सम्मिलित थीं।

जिले की मूकबधिर आर्टिस्ट को कलेक्टर ने 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी

झाबुआ। जिले की मूकबधिर आर्टिस्ट सुश्री जयतिका परमार पिता श्री कमलेश परमार निवासी सुभाष मार्ग झाबुआ को का चयन ऑस्ट्रेलिया में परफॉर्मेंस होने पर कलेक्टर नेहा मीना द्वारा 50000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

बालिका के पिता टेलरिंग का कार्य करते हैं एवं बालिका को ऑस्ट्रेलिया भेजने का खर्चा वहन करने में असमर्थ थे। इनके पिताजी द्वारा बताया गया कि कुल 80 हजार राशि से अधिक का खर्चा था जिसमे वीसा तथा आने जाने का खर्च आ रहा था। कलेक्टर नेहा मीना के समक्ष उपस्थित होकर बालिका ने आर्थिक सहायता के लिए आवेदन किया गया। कलेक्टर नेहा मीना ने तत्काल 50 हजार रुपए आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए बालिका के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और सांकेतिक भाषा में बालिका को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परफॉर्मेंस देने के लिए बधाई दी। कलेक्टर ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर परफॉर्मेंस देना जिले ही नहीं अपितु प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है और प्रशासन का सदैव यह प्रयास रहता है कि जिले के टैलेंटेड बच्चों को प्रोत्साहित किया जाए और हर संभव मदद करने का प्रयासरत रहे।

साथ ही कलेक्टर ने उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को शेष राशि की सहायता दान दाताओं के माध्यम से और अन्य हर संभव मदद के लिए कहा गया। उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग श्री पंकज सांवले ने बताया कि बालिका के सहायता के लिए नगर के प्रतिष्ठित

नागरिकों से चर्चा की गई जिसके उपरांत डॉ नीरज सिंह राठौड़ प्रोपराइटर अंबा पैलेस झाबुआ ने 10000 , एडवोकेट एवं रोटेरियन श्री उमंग सक्सेना ने 10000 , रोटरी क्लब झाबुआ ने 11000 राशि की मदद प्रदान की गई। आपको बता दे कि आल इंडिया डेफ आर्ट एंड कल्चर सोसाइटी के माध्यम से देशभर के 10 मूकबधिर आर्टिस्ट को कन्नड़ संघ क्वींसलैंड इंक.ऑस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित भव्य उगादि उत्सव समारोह में भाग लेने के लिए निमंत्रण पत्र मिला है। 26 अप्रैल 2025 को ऑस्ट्रेलिया में होने वाले इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में प्रतिभाशाली बधिर कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन किया जाएगा।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

सिंहस्थ 2028 के स्थाई प्रकृति के कार्य 31 दिसंबर 2027 के तक पूर्ण करें

उज्जैन । अपर मुख्य सचिव श्री राजेश राजौरा ने रविवार को उज्जैन के कलेक्टर कार्यालय में सिंहस्थ 2028 की तैयारी के लिए कार्यों की समीक्षा बैठक की।

बैठक में उन्होंने अभी तक शुरू किए गए कार्य, प्रस्तावित कार्य और आने वाले समय में होने वाले कार्यों के लिए अलग-अलग विभागों के प्रदेश स्तरीय अधिकारियों के साथ चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में संभाग आयुक्त श्री संजय गुप्ता, एडीजी श्री उमेश जोगा, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, डीआईजी श्री नवनीत भसीन, एसपी श्री प्रदीप शर्मा एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए की स्थाई प्रकृति के सभी कार्यों को अनिवार्य रूप से 31 दिसंबर 2027 के पूर्व ही पूर्ण कर लिया जाए। इसमें किसी प्रकार की कोई लापरवाही ना हो, वर्तमान में जितने भी कार्य संचालित हो रहे हैं या निर्माणाधीन हैं और प्रस्तावित

हैं उन सभी के लिए अब प्रति माह बैठक होगी और आगामी समय में इन सब कार्यों में लापरवाही होने पर उनका उत्तरदायित्व भी तय किया जाएगा।

श्री राजौर ने सिंहस्थ 2028 के लिए अलग-अलग विभागों के उपखंड बनाने के निर्देश भी दिए हैं, जिसमें संबंधित विभाग के अधिकारियों को अलग से पदस्थ कर सिंहस्थ के कार्यों को कराया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक में अपर मुख्य सचिव ने कहा कि भीड़ प्रबंधन के साथ-साथ आपदा प्रबंधन सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा जाए और यह सुनिश्चित किया जाए की शाही स्नान वाले दिनों में आपदा प्रबंधन के लिए अधिकतम रिस्पांस समय 15 मिनट होना चाहिए। इस अवधि में राहत और अन्य आवश्यक कार्य पूर्ण हो सकें, इसके लिए लगातार मॉक ड्रिल करें और कार्य योजना बनाएं, आग लगने की घटनाओं को तत्काल रूप से रोकने के लिए मेला क्षेत्र में पाइपलाइन भी डालें और यह सुनिश्चित करें कि छोटे फायर फाइटर वहां जल्दी पहुंच सकें। इसी के साथ स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए भी अलग-अलग जगह ट्रामा सेंटर बनाकर तत्काल कार्रवाई के करने की योजना अनुसार काम हो।

श्री राजौरा ने बैठक में निर्देश दिए कि सिंहस्थ के अंतर्गत समस्त निर्माण कार्य 31 दिसंबर 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अखाड़ों, साधू-संतों के लिए आवंटित स्थान के अनुसार ही मेपिंग की जाए। उनका स्थान निश्चित हो। सिंहस्थ के पूर्व ही बोर्डिंग की व्यवस्था की जाए। विगत सिंहस्थ 2004, 2016 में जो व्यवस्थाएं की गई थी उसका अध्ययन किया जाए। सभी अखाड़ों/साधू-संतों से पूर्व में बातचीत कर तथा उन्हें पूर्णत- विश्वास में लेकर अनुसमर्थन के साथ जगह आवंटित की जाए।

इसके साथ ही पीडब्ल्यूडी के द्वारा किए जा रहे कार्यों का कार्यों की समीक्षा की गइ। निर्देश दिए गए कि पीडब्ल्यूडी सड़क बनाने के लिए जो भी कार्रवाई कर रही है उसको तत्काल रूप से स्वीकृत कराएं डीपीआर बनाकर इसको मंत्रिमंडलीय समिति को भेजा जाए।

मल्लखंब खिलाड़ी न्याय के लिए माननीय उच्च न्यायालय की शरण में...

उज्जैन। मल्लखंब खिलाड़ी नियम विरुद्ध चयन प्रक्रिया को लेकर खिलाड़ियों द्वारा मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री को ज्ञापन दिए गए जब यहां से कोई बात नहीं बनी तो खिलाड़ी न्याय के लिए माननीय उच्च न्यायालय की शरण में, मल्लखंब खिलाड़ी कु. संजना प्रजापति एवं विशनेश सुगंधी द्वारा बताया गया की आगामी उत्तराखंड में आयोजित होने वाली नेशनल गेम्स हेतु नियम विरुद्ध चयन प्रक्रिया करते हुए हम खिलाड़ियों की उपलब्धि एवं श्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद भी टीम में स्थान नहीं दिया गया हमारा सिलेक्शन होने के बाद भी अधिकारियों द्वारा राजनैतिक दबाव बनाकर पद का दुरुपयोग करते हुए हमारा नाम चयन लिस्ट से हटा दिया गया ।

इसलिए खिलाड़ी माननीय उच्च न्यायालय की शरण में गए माननीय उच्च न्यायालय ने भी खिलाड़ियों के साथ हुए अन्याय को सही ठहराते हुए सुनवाई की,तारीख 04/02/2025 सुनिश्चित की है इससे संबंधित सभी अधिकारियों को उपस्थित होने का आदेश दिया है।

कु. संजना प्रजापति एवं विशनेश सुगंधी कई राष्ट्रीय पूर्व के नेशनल गेम्स में पदक विजेता है एवं कई नेशनल गेम्स एवं खेलो इंडिया में उज्जैन एवं मध्य प्रदेश को कई पदक दिला चुके हैं, किंतु नियम विरुद्ध 12 वर्ष तक के सब जूनियर जूनियर वर्ग के खिलाड़ियों को खिलाकर टीम को षडयंत्र पूर्वक चयनित किया गया है। ट्रायल लेटर में ट्रायल के तुरंत पहले अवैधानिक एवं नियम विरुद्ध तरीके से संशोधन किया गया विगत वर्ष भी नियम विरुद्ध ट्रायल गोवा में आयोजित राष्ट्रीय खेलों हेतु भी जो चयन प्रक्रिया की गई वह भी मनमर्जी एवं नियम विरुद्ध की गई थी, जिसकी सूचना शिकायत हम खिलाड़ियों द्वारा संचालक महोदय को भी की गई थी तथा जांच कमेटी भी बनाई गई थी किंतु जिम्मेदारों की जु तक नहीं रेंगी परिणाम स्वरूप मध्य प्रदेश मल्लखंब में एक भी खिलाड़ी स्वर्ण पदक नहीं ले पाया।

बसंत पर्व ऋतुओं का राजा है आचार्य जीवन

उज्जैन। देश की तरुणाई देश का बसंत है पंडित व्यास आर्य समाज मंदिर में मनाया बसंत पंचमी पर्व बसंत पंचमी शिक्षा का साहित्य का शब्द शिल्प का प्रकृति का आनंद का सामूहिक पर्व है वृक्ष पर नवीन कोपल का संचार नई उमंग नया उत्साह बसंत का परिचायक हैं मां सरस्वती कोई भौतिक स्वरूप नहीं बल्कि एक भाव एवं शक्ति है आज महाकवि निराला का जन्मदिन है जिन्होंने अपनी कविताओं में मनुष्य के साथ प्रकृति की पीड़ा को व्यक्त किया है उक्त विचार आचार्य जीवन प्रकाश आर्य ने बसंत पंचमी के अवसर पर आर्य समाज मंदिर उज्जैन में व्यक्त किये,आचार्य पंडित राजेंद्र व्यास ने इस अवसर पर कहा कि, देश की तरुणाई ही देश का बसंत है हम वाणी में माधुर्य लाकर वेदों की ऋचाओं का स्वर लहराए,हम परिवार समाज और राष्ट्र की रक्षा का संकल्प लें।

राजस्थान के महामहिम के कर कमलों द्वारा श्री महेन्द्र नाहर उज्जैन का बहुमान

उज्जैन। नाहर परिवार की कुलदेवी भवानी माता मंदिर (नागौर) की तृतीय वर्षगांठ बसन्त पंचमी पर ध्वजारोहण व अखिल भारतीय नाहर परिवार संघ के द्वी दिवसीय स्नेह मिलन कार्यक्रम में

राजस्थान के महामहिम श्री हरिभाऊजी किशनराव जी बागड़े(नाना) राज्यपाल राजस्थान के कर कमलों द्वारा जीवनदीप परिवार के सक्रीय सदस्य श्री महेन्द्र कुमार नाहर उज्जैन(म.प्र) के समाजहित में स्वास्थ्य सेवा के उत्कृष्ट कार्य करने पर नाहर आरोग्य रत्न से सुशोभित किया गया उपरोक्त जानकारी मध्यप्रदेश नाहर परिवार संघ के वरिष्ठ बाबूलाल जी नाहर द्वारा प्रदान की गई।

यदि हम संघर्ष करते रहे तो संविधान भी जीवित रहेगा - अजीत केतकर

उज्जैन। संविधान ने हम सबको अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और समानता का अधिकार दिया है। यदि हम संघर्ष करते रहे तो संविधान भी जीवित रहेगा। आज हमारे सामने चुनौतियां गम्भीर हैं और हमारी रोजगार , नौकरियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता है।

ये विचार सेंट्रल झोन इन्सुरेंस एम्पलाईज एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत केतकर ने दशहरा मैदान स्थित शाखा में इंश्योरेंस एम्पलाईज यूनियन इंदौर के क्षेत्रीय सम्मेलन में संविधान एक जीवित दस्तावेज है विषय पर परिचर्चा में व्यक्त किये ढ्ढ केतकर ने बजट सत्र में भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित बीमा संशोधन बिल के जीवन बीमा पर होने वाले दुष्परिणामों पर चर्चा करते हुए बीमा संशोधन बिल का घोर विरोध किया और कहा कि अगर यह बिल संसद में पारित होता है तो बीमा कर्मी हड़ताल पर जाएंगे। भारतीय जीवन बीमा निगम में तत्काल भर्ती की मांग की गयी परिचर्चा में इंश्योरेंस एम्पलाईज यूनियन के अध्यक्ष अनिल सुरवाडे ने कहा कि हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है । देश का संविधान हमारी रक्षा करता है तो कर्तव्यों का बोध भी कराता है। आज संविधान को बचाने की बात हो रही है। संविधान की प्रस्तावना में ही संविधान की आत्मा है कि हम लोककल्याणकारी गणतंत्र हैं। महामंत्री चंद्रशेखर चौहान ने कहा कि हम बिना बहस के पीछे के दरवाजे से बीमा क्षेत्र में सौ प्रतिशत पूंजी निवेश का विरोध करते हैं। भारत के संविधान को 75 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। आज देश फिर से आजादी खोने की स्थिति में है।

परिचर्चा को बैंक एसोसिएशन से यू. एस. छाबड़ा, अधिकारी संगठन से डॉ. हरीशकुमार सिंह , मनोज शर्मा , बी. एल जैन , प्रशांत सोहले , दीपिका सक्सेना , संजय जैन, आशीष पगारे , राम त्यागी , शाखा प्रबंधक परसराम मिश्रा ने भी संबोधित किया द्य क्षेत्रीय सम्मेलन में अखिल भारतीय स्तर पर वर्किंग कमिटी में और मध्यक्षेत्र की वर्किंग कमिटी में लिए गए निर्णयों से अवगत कराया गया और आगामी आंदोलन की रूपरेखा तय की गई द्य उपरोक्त क्षेत्रीय सम्मेलन में भारतीय जीवन बीमा निगम की उज्जैन , इंदौर, देवास , बड़नगर , नागदा शाखाओं में कार्यरत 75 से अधिक कर्मचारी एवं पेंशनर साथी उपस्थित रहें ढ्ढ स्वागत भाषण प्रकाश बांगर ने दिया। सभा का संचालन कुलदीप सिंह क्षत्रिय ने किया और आभार संजय खले ने व्यक्त किया।

अमीरा अकादमी का सिल्वर जुबली 25 वर्ष पूर्ण होने पर मनाया गया

उज्जैन। आदर्श नगर में अकादमी के 25 वर्ष पूर्ण होने कार्यक्रम का आयोजन किया गया प्राचार्य जोया खान एवं संयोजक नवनीत दसलानिया ने जानकारी देते बताया कार्यक्रम के अतिथि अपेक्स सिटी प्वाइंट के डायरेक्टर देवेंद्र मालवीय, पार्षद सुमन बाबूलाल बघेला, युवा तुर्क फहीम खान,विक्रम सिंह राठौड़, संजय ठाकुर , समाजसेवी इकबाल उस्मानी, मनीष रावल, रियाज खान डॉ .खालिद शेख, महेंद्र पाटीदार आदि उपस्थित थे कार्यक्रम में अकादमी के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रस्तुति दी द्य छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गयाद्य शिक्षा के लिए उल्लेखनीय योगदान के लिए शिक्षविद रेहाना खान एवं सामाजिक कार्यों में उल्लेखनीय योगदान के लिए सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष पंकज जायसवाल को प्राउड ऑफ उज्जैन अवार्ड से सम्मानित किया गया द्य कार्यक्रम का सफल संचालन अनामिका शर्मा एवं अमित शर्मा ने किया द्य अकादमी के पूरे स्टाफ की शानदार भूमिका रही रही और वाइस प्रिंसिपल जफर खान ने माना ।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com